डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक   प्रयागराज से प्रकाशित   हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com   www.jjnews.in   प्रयागराज,मंगलवार 14 मार्च,2023   वर्ष–07 / अंक–294   प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

सीमापार से नहीं कम हुआ आतंकवाद दुष्प्रचार कर रहा पड़ोसी

भारत के प्रति पाकिस्तान का रवैया वैसे तो पहले से ही जगजाहिर है अब भारतीय विदेश मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट ने भी पड़ोसी देश की

हरकतों की पोल खोल दी है। दरअसल, आज यानी सोमवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2021–22 जारी की है। इसमें मंत्रालय ने भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद में कोई कमी नहीं आई है। साथ ही इसमें 26द्11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के पीड़ितों के परिवारों को न्याय दिलाने में इस्लामाबाद द्वारा अभी तक किसी भी प्रकार की गंभीरता ना दिखाने की बात भी कही गई है। भारत के खिलाफ मनगढ़ंत प्रचार में लगा पाकिस्तान

2022 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में, विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत को बदनाम करने और अपनी घरेलू राजनीतिक और आर्थिक विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए शत्रुतापूर्ण और मनगढ़ंत प्रचार करने में लगा हुआ है। विदेश मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के आंतरिक मुद्दों पर पाकिस्तान के सभी कार्यों और बयानों को भारत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सभी देशों के बीच एक बड़ी समझ है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इससे जुड़े मामले देश के आंतरिक हैं।

26द11 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपियों को सजा देने से बच रहा पाकिस्तान

अपनी सालाना रिपोर्ट में विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा है कि पाकिस्तान ने 26द 11 के मुंबई आतंकी हमले के परिवारों को न्याय दिलाने में अभी तक गंभीरता नहीं दिखाई है। वह इसे लटकाए रहने की रणनीति में लगा हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लगातार यह कहने कि पाकिस्तान 2004 की अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करे और अपनी जमीन या क्षेत्र का भारत के खिलाफ आतंकवाद के लिए इस्तेमाल न करने दे, सीमा–पार से आतंकवाद, घुसपैठ और भारत में एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा में हथियारों की अवैध तस्करी में कोई कमी नहीं आई है। भारत का सामान्य पड़ोसी संबंधों पर जोर इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा रखता है। भारत का हमेशा यह प्रयास रहा है कि आतंकवाद और हिंसा से मुक्त माहौल की बजाय मुद्दों को द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। साथ ही मंत्रालय ने यह भी कहा है कि इस तरह के अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। विदेश मंत्रालय ने उल्लेख किया कि भारत ने सीमा पार आतंकवाद को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान को विश्वसनीय, अपरिवर्तनीय और सत्यापन योग्य कार्रवाई करने की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है। भारत लगातार द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर सीमा पार आतंकवाद और आतंकवादी घुसपैठ को पाकिस्तान के निरंतर समर्थन का मुद्दा उठाता रहा है। बावजूद इसके पाकिस्तान भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को जारी रखे हुए है।

कानपुर–महोबा से लेकर एमपी तक ट्रैफिक जाम खत्म, कबरई से कैमहा फोरलेन समेत 3500

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोरखपुर और महोबा जिले को बड़ी सौगात दी है. गोरखपुर में सीएम ने 5700 करोड़ की लागत से फोर लेन सड़कों का शिलान्यास किया. वहीं, महोबा में 3500 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास हुआ. इस मौके पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे. बताया जा रहा है इन परियोजनाओं से गोरखपुर और महोबा का कायाकल्प

हो जाएगा.

सीएम योगी ने पहले गोरखपुर के कार्यक्रम में हिस्सा लिया. इसके बाद सीएम योगी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ महोबा पहुंचे. मोदी ग्राउंड में सीएम योगी और गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया. यहां 3500 करोड़ की लागत से 9 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. महोबा जिले में 2 और बांदा जिले में 1 रेलवे ओवर ब्रिज काशिलान्यास किया गया. कबरई–कैमाहा 46 किमी फोरलेन हाइवे व आउटर सर्किल का शिलान्यास भी किया गया.

इन सड़कों का हुआ शिलान्यास

1. सोनौली–जंगल कौड़िया मार्ग, कुल लंबाई–80 किलोमीटर, लागत 2700 करोड़
2. ग्रीनफिल्ड गोरखपुर बाईपास का निर्माण, लंबाई–27 किमी, लागत–2100
3. बड़हलगंज–मेहरौना घाट टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई–57 किमी, लागत–974 करोड़
4 . महराजगंज–निचलौल–ठूठीबारी टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई–40 किमी, लागत–809 करोड़
5. हड़िया चौराहे से करमैनी घाट तक टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई–49 किमी, लागत–516 करोड़
6. बलरामपुर बाईपास टू लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण, लंबाई–21 किमी, लागत 516 करोड़ 7. शोहरतगढ़–उस्काबाजार टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई–33 किमी, लागत–510 करोड़
8.सिकरीगंज–बडहलगंज टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई–39 किमी, लागत 403 करोड़
9.छपिया–सिकरीगंज टू लेन पेव्डशोल्डर, लंबाई–35 किमी, लागत–307 करोड़
10. शोहरतगढ़ बाईपास, लंबाई–6 किमी, लागत–189 करोड़
11. गोरखपुर–आनंदनगर रेलखंड पर ओवरब्रिज का निर्माण लागत 66 करोड़
12. गिलौला बाईपास टू लेन पेव्ड शोल्डर, लंबाई–3.50 किमी, लागत 62 करोड़

इस दौरान कुछ परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया गया है. इनमें 323 करोड़ रुपये की लागत से बनी 18 किमी लंबी मोहद्दीपुर–जंगलकौड़िया फोरलेन सड़क प्रमुख है. इसके साथ ही 281 करोड़ रुपये लागत से बनी 55 किमी लंबी मोहद्दीपुर–जंगलकौड़िया फोरलेन का भी लोकार्पण किया गया है.

कटीले तार से किशोर की मौत के बाद पसरा सन्नाटा , घर का बुझा चिराग , दो दिन से नहीं जला चूल्हा

कन्नौज।

कटीले तार ने गर्दन फसने से दर्दनाक मौत के बाद घर में सन्नाटा पसर गया। 2 दिन से घर में चूल्हा तक नहीं जला। एकलौते चिराग के बुझने पर घर के लोगों में मातम छा गया। माता–पिता बहनों समेत घर परिवार के लोगों का अभी तक रो रो कर बुरा हाल है। खढनी क्षेत्र के गांव खटखरी निवासी राहुल पुत्र संजीव 2 दिन पहले देर शाम घर लौटते समय सड़क किनारे लगे कटीले तार में गर्दन फंसने से दर्दनाक मौत हुई थी। मौत की जानकारी होते ही घर परिवार में सन्नाटा पसर गया था। इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। राहुल बहुत ही मधुर स्वभाव का था। अपने माता–पिता की आंखों का तारा था। राहुल की मौत होने से घर परिवार मे गम फैल गया। घर में 2 दिन से चूल्हे तक नहीं जले। बहन समेत पिता माता बाबा राहुल के गम में बेहाल है। इस संबंध में प्रभारी लेखपाल सुधांशु कुमार ने बताया कि घटना की रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी गई है। जिन लोगों के द्वारा खेतों के आसपास कटीले तार लगाए गए हैं उन सभी किसानों को तार हटाए जाने के सख्त निर्देश दिए हैं। यह किसान कटीले तारों को नहीं हटाता है तो कार्रवाई की भी बात कही है।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का हुआ आयोजन

कन्नौज।

सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से प्रत्येक रविवार को सभी पीएचसी पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत जलालाबाद ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अनौगी,जसपुरापुर व जलालाबाद में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर दवा वितरित की। मेले में उपचार कराने के लिए विभिन्न बीमारियों के मरीज उपचार के लिये पहुंचे। जिन्हें चिकित्सकों ने परामर्श दिया। जिसमें पीएचसी जसपुरापुर में 25,अन्नौगी में 25 एवं जलालाबाद में 32 तीन पीएचसी में कुल 82 मरीजों को उपचार मिला। निःशुल्क दवाइयों का वितरण हुआ मेले में बदलते मौसम में वायरल फीवर के बढ़ते प्रकोप व सेहत के प्रति सचेत रहने की सलाह दी गई वहीं मेले में चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ्य सम्बन्धी विशेष परामर्श भी दिया साथ ही चिकित्सकों ने सभी मरीजों की विधिवत जांच के बाद निःशुल्क दवा एवं उचित परामर्श देने का कार्य किया। इस दौरान डॉ अनिल यादव,डॉ इफराक हुसैन,आमिर जमाल,नवीन सचान,अर्चना, ओमकार,रवि कुमार समेत स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

कन्नौज।

पानी की टंकी की ठेकेदारी में काम कर घर वापस आते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ठेकेदार बाइक सवार घायल हो गए। घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। खढनी चौकी क्षेत्र मे पानी की टंकी पर ठेकेदारी में काम कर रहे रजत दुबे पुत्र राकेश चंद्र निवासी ग्राम हुसेन थाना फतेहगढ़ जिला फर्रुखाबाद देर शाम बाइक से अपने घर जा रहे थे। तभी खढनी नहर पुल के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी । टक्कर लगते ही बाइक सवार घायल हो गया। निकल रहे राहगीरों ने इसकी सूचना चौकी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सीएससी ले गए । जहां डाक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए तिर्वा मेडिकल कॉलेज रिफर कर दिया। वहीं इसकी सूचना घर परिवार के लोगों को दी।

थाना प्रभारी आरपी सिंह के नेतृत्व में फरिहा बाजार मैं चला सघन चेकिंग अभियान

निजामाबाद अभिलाष उपाध्यायनिजामाबाद ध्आजमगढ़ निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा चौक पर निजामाबाद थाना प्रभारी आरपी सिंह के नेतृत्व में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें 2 पहिया व चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग की गई। दो पहिया वाहनों के हेलमेट, पुराने नंबर प्लेट पर चालान, तीन सवारी वाले वाहनों व आरसी, ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी के पेपर तथा सभी कागजात चेक किए गए। चार पहिया वाहनों के सीट बेल्ट, ड्राइवरी लाइसेंस व डिग्गी खोलकर अवैध सामानों की चेकिंग की गई। इस दौरान 10 वाहनों का चालान किया गया। थाना प्रभारी निजामाबाद आरपी सिंह द्वारा वाहन चालकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी के साथ हेड कांस्टेबल परमात्मा, विक्रम मौर्या, सुमित यादव, सुमित कुमार, रवि आदि प्रशासन के लोग उपस्थित रहे।

आलू किसानों को हक दिलाने के लिए सपा का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कन्नौज ।

आलू किसानों की बदहाली को देखते हुए सरकार द्वारा किसानों को उचित समर्थन मूल्य दिलाने व सरकारी क्रय केंद्र खोलने के साथ–साथ छोटे किसानों के आलू भंडारण की उचित व्यवस्था कराने को लेकर पूर्व ब्लाक प्रमुख और समाजवादी नेता की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बोर्डिंग ग्राउंड से जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल से संबोधित ज्ञापन सौंपा । समाजवादी पार्टी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव की अगुआई में किसानों की फसल आलू को लेकर बोर्डिंग ग्राउंड में किसानो को साथ लेकर पैदल चलते हुए जिला कलक्ट्रेट कन्नौज में जिलाधिकारी की गैरमौजूदगी में अतिरिक्त उपजिलाधिकारी को राज्यपाल से सम्बन्धी ज्ञापन सौपा । इस मौके पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव ने प्रदेश सरकार को किसानों का विरोधी बताते हुये कहा कि सरकार किसानों की आय को दो गुना करने की बड़ी बड़ी बातें तो करती है। परन्तु जब फसल की सरकारी खरीद की बात आती है। तो सरकार ऐसे दाम निर्धारित करती है जो कि किसानों की लागत के भी बराबर भी नही होती है। किसानों के खून पसीने की कमाई आज खेतो में सड़ने के लिये मजबूर हो गई है । कोल्डस्टोरेज के मालिक किसानों का आलू को भंडारित करने में आनाकानी कर रहे है। बेचारा किसान अपना आलू अब कहाँ ले जाये इसलिय हम समाजवादी लोग सरकार से मांग करते है। कि किसानों का आलू कम से कम 2000 रूपये कुंतल की दर से खरीदा जाए और कन्नौज में तुरंत सरकारी खरीद केंद्र को खोला जाए। जिससे किसानों को उनकी फसल का जायज मूल्य मिल सके । अगर सरकार अन्नदाता की फसल का सही इंतजाम न कर सकती है तो सत्ता मद में चूर बैठे लोग ये जान ले हम समाजवादी लोग किसानों के हक की लड़ाई के लिये अपने खून का कतरा कतरा बहाने को तैयार है। इस मौके पूर्व ब्लॉक प्रमुख नीलू यादव , इंद्रेश यादव , बजरंग सिंह चौहान , राकेश कटियार , दरोगा कटियार , कमलकान्त , कुड्डू पांडेय , राकेश , संजय , गुल्ली मिश्रा ,वैभव तिवारी , कल्याण सिंह यादव , विनोद , इंद्रपाल , कमलेश कटियार , बालक राम ,कौसर खा , मंसूर खा ,लाल सिंह , बंटू प्रधान ,ईसू यादव , रंजीत सिंह , सुरेन्द्र कुशवाहा , सरोजनी कुशवाहा , नन्हू खान सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

सहजता, सरलता, उदारता और परोपकारिता की प्रतिमूर्ति थे संत गिरीशदास महाराज

गोवर्धन ।राधाकुंड परिक्रमा मार्ग क्षेत्र स्थित श्रीराम धाम महा त्यागी आश्रम में संत शिरोमणि महंत गिरीशदास महाराज के साकेतवास के सन्दर्भ में संतों–विद्वानों के द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सम्पन्न हुआ ।जिसके अंतर्गत प्रख्यात संतों, विद्वानों व धर्माचार्यों के द्वारा उनके चित्रपट के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

महाराजश्री के परम् कृपापात्र महंत अंबिका दास महाराज ने कहा कि हमारे सदगुरुदेव श्रीश्री 1008 महंत गिरीशदास महाराज सहजता, सरलता, उदारता और परोपकारिता की प्रतिमूर्ति थे ।उन जैसी पुण्यात्माओं का तो अब युग ही समाप्त होता चला जा रहा है ।संत सियाराम दास महाराज ने कहा कि संत–प्रवर गिरीशदास महाराज की संत सेवा, गौ सेवा, विप्र सेवा एवं निर्धन निराश्रित सेवा आदि में अपार निष्ठा थी ।इसी सब के चलते उन्होंने अपना समूचा जीवन व्यतीत किया।

महात्यागी कोमल दास नगर खालसा के संत भगवानदास महाराज ने कहा कि संत गिरीशदास महाराज समन्वयवादी व निस्पृह संत थे ।सभी संप्रदायों के संत व महंत उन्हें आदर व सम्मान देते थे ।वे परम भजनानंदी व विरक्त संत थे ।उन जैसे संतों से ही पृथ्वी पर धर्म व अध्यात्म का अस्तित्व है।

श्रृद्धांजलि सभा में पंडित रामनारायण बादल, राजनारायण बादल, आचार्य राजेंद्र पाराशर, पंडित राजेंद्र शर्मा,रामसेवक दास, केशव आचार्य, रूप नारायण मीणा (जयपुर), हरीश मीणा, मनीष मीणा, प्रभु दयाल वैद्य, दानीराम वैद्य, हरि भुवन तोमर, मनमोहन दीक्षित, नारायण दास, महंत रघुवीर दास महाराज,राघव दास, राजेंद्र पंडा,हरिभवन सिंह तोमर आदि ने भी अपने विचार व्यक्त कर महाराजश्री को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अधिकारी 10 बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई कर शिकायतों का करें निस्तारण जिलाधिकारी

कौशाम्बी जिलाधिकारी श्री सुजीत कुमार द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को अपने–अपने कार्यालय में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने तथा किसी अधिकारी के अवकाशध्क्षेत्र भ्रमण में जाने पर अपने अधीनस्थ अधिकारी को जनसुनवाई के लिए नामित करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने आई0जी0आर0एस0 के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि शिकायत डिफाल्टर होने से पूर्व ही निस्तारित हो जाय। उन्हांने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को गोद लिए गये विद्यालयों एवं ऑगनबाड़ी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि विभागीय सरकारी भूमि पर अतिक्रमणध्अवैध कब्जा न होने पाये तथा अवैध अतिक्रमणध्कब्जा है तो तत्काल हटवाया जाय। उन्होंने बैठक में खनन अधिकारी के अनुपस्थित पाये जाने पर वेतन रोकने एवं लापरवाही बरतने पर डी0पी0आर0ओ0 से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दियें।

बैठक में जिलाधिकारी ने निराश्रित गोवंशों की समीक्षा के दौरान सहभागिता योजना के तहत लक्ष्य आवंटित कर गोवंशों की सुपुर्दगी में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दियें। उन्होंने अधिशासी अभियंता लो0नि0वि0 को निर्माणाधीन सड़कों का निर्माण कार्यध्चौड़ीकरण कार्य को तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दियें। उन्होंने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिला बेसिक शिक्षाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी से कहा कि प्रचार–प्रसार कराकर लोगों को जागरूक किया जाय, जिससे जन्मजात दोष वाले बच्चों का इलाज कराकर लाभान्वित किया जा सकें। उन्होंने डी0पी0आर0ओ0 को हैण्डपम्पों का सत्यापन कराकर आवश्यकतानुसार रिबोर आदि कार्य कराने के निर्देश दियें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को ग्राम पंचायतों की जॉच कर आख्या डी0पी0आर0ओ0 को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दियें। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 02 लाख 24 हजार 294 गोल्डेन कार्ड अब तक बनाये जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में 05 स्वास्थ्य केन्द्रों–मूरतगंज, इस्माइलपुर (कड़ा), सरायं अकिल, सिराथू एवं कनैली पर टेलीमेडिसीन की सुविधा उपलब्ध है, जिसके तहत अपोलो हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टरों से मरीजों का निःशुल्क इलाजध्परामर्श सुविधा उपलब्ध करायी जा रहीं है, गत–माह 1153 लाभार्थियों को टेलीमेडिसीन की सुविधा उपलब्ध करायी गई हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल एक्सरे की भी सुविधा उपलब्ध है।

जिलाधिकारी द्वारा नई सड़कों का निर्माणध्चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुओं का टीकाकरण, आयुष्मान भारत योजना, दवाओं की उपलब्धता, ऑपरेशन कायाकल्प, हैण्डपम्पों की रिबोर, मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार एवं जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री अजीत प्रताप सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

मुख्य विकास अधिकारी ने की जिला पोषण समिति की बैठक

कौशाम्बी बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को पोषण ट्रैकर पर लाभार्थियों के आधार सीडिंग के कार्य में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को गोद लिए गये ऑगनबाड़ी केन्द्रों का प्रत्येक माह निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी सीडीपीओ को अधिक से अधिक कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराने के निर्देश दियें तथा सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को 31 मार्च तक ऑगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दियें। उन्होंने उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय पोषण समिति की बैठक नियमित रूप से कराने के भी निर्देश दियें।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी श्री सुष्पेंद्र कुमार,जिला विकास अधिकारी श्री विजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुरेश कुमार गुप्ता एवं जिला पंचायत राज अधिकारी श्री बालगोविन्द श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की कर–करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा

कौशाम्बी जिलाधिकारी श्री सुजीत कुमार की अध्यक्षता में उदयन सभागार में कर–करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने वाणिज्यकर, खनन, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, आबकारी, परिवहन, विद्युत एव नगर निकायों से सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति एवं सम्बन्धित अधिकारियों को और अधिक प्रवर्तन कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। उन्होंने विभागवार आर0सी0 वसूली की प्रगति की विस्तृत समीक्षा के दौरान सभी सम्बन्धित अधिकारियों को तहसीलदार से समन्वय करते हुए विशेष प्रयास कर आर0सी0 वसूली में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। उन्होंने राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने पर ए0आर0टी0ओ0 एवं ई0ओ0 सिराथू से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दियें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्री जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

02 वांछित अभियुक्तों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस उ0नि0 शियाकान्त चौरसिया मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 51ध्23 धारा 379ध्411 भादवि से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्तों 1. छोटू पुत्र मूलचन्द्र नि0 पानी की टंकी नई बाजार भरवारी थाना कोखराज 2. अजय पुत्र हिन्देलाल नि0 सईगंज थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को 01 अदद चोरी की मोटरसाइकिल (न्च73 ठ6371 हिरो होण्डा पैसन) के साथ गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना मो0पुर पइन्सा पुलिस उ0नि0 आदित्य कुमार मय हमराह पुलिस बल द्वारा रात्रिगस्तध वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त कमलेश कुमार कुशवाहा पुत्र स्व0 रामजी कुशवाहा नि0 नया पुरवा थाना करैली जनपद प्रयागराज को सुदिन का पुरवा नहर पुलिया के पास से एक अदद तमंचा 12 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय मु0अ0सं0 45ध्23 धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

भारत के पड़ोसी देश नेपाल के विराटनगर शहर में भारत और नेपाल के चुनिंदा साहित्यकारों का कुंभ भारत नेपाल साहित्य महोत्सव 17 से 19 मार्च

दिल्ली।

भारत के पड़ोसी देश नेपाल के विराटनगर शहर में भारत और नेपाल के चुनिंदा साहित्यकारों का कुंभ भारत नेपाल साहित्य महोत्सव 17 से 19 मार्च तक लगातार चौथे वर्ष आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जयपुर (राजस्थान) से राव शिवराज पाल सिंह और डॉ श्रीमती निशा अग्रवाल को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। ज्ञातत्व है कि राजस्थान से पहली बार दो साहित्यकारों को साहित्य के इस विशाल कुंभ में आमंत्रित किया गया है। राव शिवराज पाल सिंह बेहद बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। ये जाने माने कवि, गद्यकार, कॉलम लेखक, राजपूताने इतिहास के अध्येता और विरासत सरंक्षण में विशेषज्ञ हैं। डॉ निशा अग्रवाल बाड़ी निवासी श्री जगदीश प्रसाद मंगल (पिपरैट वाले) की सुपुत्री हैं। ये शिक्षाविद होने के साथ साथ लेखिका, कवयित्री, स्क्रिप्ट राइटर और एंकर भी हैं। कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में ये देश में ही नहीं अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशेष पहचान बना रही हैं। डॉ निशा शिक्षा विषय से पीएचडी हैं। वर्ष 2022 में अल्जीरिया से डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित हैं। डॉ निशा की संस्कृति एवं साहित्य के प्रति समर्पण की भावना बेहद सराहनीय एवं प्रशंसनीय है। किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था विशेष द्वारा भारत की इन दोनों बहुमुखी प्रतिभाओं का अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान गौरवपूर्ण कार्य है ।आपको बता दें कि नेपाल –भारत साहित्य महोत्सव में देश के कुछ ही चुनिंदा साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया है। भारतीय हिंदी साहित्य के प्रतिनिधि के रूप में इनका सम्मान भी किया जायेगा। राव शिवराज और डॉ निशा ने बताया कि देश से बाहर हिंदी का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्हें बेहद गौरव की अनुभूति हो रही है और हमारा प्रयास रहेगा कि हिंदी को विश्व पटल पर सम्मानजनक स्थान मिले।

हिंदी साहित्य अकादमी के नाम पर करोड़ों की सौगात

फायदा उठा रहे करीबी और नात बात द ग्राम टुडे,मुंबई। हाल ही में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2020–21, 2021–22 तथा 2022–23 की सम्मान सूची जारी की गई है। इन 3 वर्षों की सम्मान सूची को देखने के पश्चात यह पता चला है कि इसे सम्मान सूची में शामिल कुछ लोगों को सचमुच योग्यता के आधार पर सम्मान दिया जा रहा है, परंतु बाकी बचे लोगों में से कुछ लोग कार्याध्यक्ष तथा समिति में शामिल सदस्यों के रिश्तेदार शोधार्थी, परिजन तथा एक ही परिवार के कई सदस्यों को शामिल किया गया है। इस सूची में कुछ ऐसे भी लोगों का नाम शामिल किया गया है जिनका आज तक न कोई साहित्यिक अवदान है और न ही हिंदी के प्रचार–प्रसार के क्षेत्र में किसी प्रकार की गतिविधियां आज तक दिखाई नहीं दी हैं। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी की नई समिति का गठन हुए सिर्फ 1 महीने ही हुए, इस दौरान 3 वर्षों भी सम्मान सूची का निर्धारण करना इस बात का परिचायक है कि चयन समिति द्वारा आनन–फानन में अपने ही करीबियों को आर्थिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से ये सम्मान रूपी रेवड़ियां बांटी गई हैं। कई लोगों ने यह आशंका व्यक्त की है कि इसमें एम. फिल. , तथा पी–एच.डी. के शोध प्रबंधा पर प्रकाशित पुस्तक को भी सम्मान प्रदान किया गया है। इसके बावजूद ऐसी आशंका है कि इसमें महाराष्ट्र के बाहर के लोगों को जिनके पास महाराष्ट्र में स्थाई रूप से 15 वर्षों का निवास प्रमाण पत्र नहीं है, उन्हें भी शामिल किया गया है। कुछ लोगों की यह मांग है कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन करके इसकी उचित जांच होनी चाहिए। महाराष्ट्र के साहित्यकारों ने इस पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। बताना चाहूंगा कि महाराष्ट्र में ऐसे कई चर्चित नाम हैं जिन्होंने सचमुच साहित्य को आगे बढ़ाने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया है। उन चर्चित नामों को सूची में शामिल न करके कहीं ना कहीं उन साहित्यकारों का महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा अपमान किया गया है। कई साहित्यकारों ने इस पर पुनर्विचार की मांग करते हुए नए सिरे से अवलोकन करने तथा इस सम्मान समारोह को स्थगित कराने हेतु महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल के पास ज्ञापन देने का निर्णय लिया है।

रक्त की आपूर्ति के लिए डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा दूसरे दिन 440वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित 155 बार रक्तदान के साथ 72 बार प्लेटलेट्स दे चुके राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता शतकवीर डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 440वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर में 26 बार रक्तदान कर चुके स्टार रक्तदाता रविंद्र सैनी मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सेवानिवृत सहायक कुलसचिव दविन्द्र सचदेवा और समाजसेवी नरेश सैनी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे हुए थे। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल रक्त कोष प्रभारी डॉ. रमा की अध्यक्षता में रक्त संग्रहित किया गया। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज दूसरे दिन रक्तदान शिविर रक्त की भारी कमी को देखते हुए लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि रक्त की एक एक बूँद बहुमूल्य है। रक्त सड़क दुर्घटनाओं में नहीं बहना चाहिए अपितु रक्त आवश्यकतानुसार जरूरतमंदों के काम आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के युग में लोग सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन न करके दूसरों को मृत्यु की नींद सुला देते हैं। नशा करके वाहन चलाना, लापरवाही करना और नियमों की पालना न करना सड़क दुर्घटनाओं का कारण है। मुख्यातिथि पधारे स्टार रक्तदाता रविंद्र सैनी ने रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुए कहा कि सभी को नियमित रक्तदान करना चाहिए। सेवानिवृत मुख्य तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी ने कहा कि ग्रीष्म ऋतू में रक्त का अभाव रहता है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए। शिविर में इन दानी सज्जनों ने रक्तदान किया– इन्होंने किया रक्तदान – प्रवीण कुमार, रविन्द्र कुमार, राम पाल, दीपक, वीरेंद्र सिंह, मयंक पाहवा, अरविन्द कुमार, रविन्द्र कुमार, अजय राणा, इंतजार, धर्म चंद, राजेंद्र सिंह, राजीव कुमार, करनैल सिंह, मोहित कुमार आदि।

थाना माण्डा पुलिस द्वारा शांति भंग करने के अंदेशे में 08 व्यक्तियों का धारा 151107116 सीआरपीसी में चालान

माण्डा।प्रायागराज।पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध ा व अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त यमुनामगर संतोष कुमार मीणा के निर्देश व एसीपी मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना माण्डा अरविन्द कुमार गौतम के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 13.03.2023 को ग्राम भरारी प् में शांति भंग करने की प्रबल संभावना के दृष्टिगत एक पक्षीय भीम कुमार पुत्र यमुनाप्रसाद निवासी ग्राम भरारी प् थाना माण्डा जनपद प्रयागराज तथा ग्राम साड़ी में गाली गलौज व मारपीट कर शान्ति भंग करने में एकपक्षीय अवधेश कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व0 कालू राम विश्वकर्मा निवासी ग्राम साड़ी थाना माण्डा जनपद प्रयागराज तथा ग्राम चकडीहा में जमीन पर लगे पेड़ को काट कर ले जाने एवं थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0– 44ध्2023 धारा 323ध्504ध्506 भादवि एवं मु0अ0सं0– 45ध्2023 धारा 323ध्504ध्506 को लिखवाने की बात को लेकर गाली गलौज व मारपीट कर शान्ति भंग करने में प्रथम पक्ष के 1. सुनीत सिंह पुत्र स्व0 सुनील कुमार सिंह एवं द्वितीय पक्ष के 1. अनिल सिंह पुत्र विश्राम सिंह 2. अनूप सिंह पुत्र अनिल सिंह निवासीगण ग्राम चकडीहा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज एवं ग्राम पयागपुर रमगढ़वा में शान्ति भंग करने की प्रबल संभावना पर एक पक्ष के 1. छोटेलाल पुत्र स्व0 रामजियावन 2. रवि पुत्र छोटेलाल एवं द्वितीय पक्ष के लालबहादुर पुत्र स्व0 रामजियावन निवासीगण ग्राम पयागपुर रमगढ़वा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज अन्तर्गत धारा 151ध्107ध् 116 सीआरपीसी में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–

1.भीम कुमार पुत्र यमुनाप्रसाद निवासी ग्राम भरारी प् थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

2. अवधेश कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व0 कालू राम विश्वकर्मा निवासी ग्राम साड़ी थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

3.सुनीत सिंह पुत्र स्व0 सुनील कुमार सिंह निवासी ग्राम चकडीहा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज तथा ग्राम साड़ी में गाली गलौज व मारपीट कर शान्ति भंग करने में एकपक्षीय अवधेश कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व0 कालू राम विश्वकर्मा निवासी ग्राम साड़ी थाना माण्डा जनपद प्रयागराज तथा ग्राम चकडीहा में जमीन पर लगे पेड़ को काट कर ले जाने एवं थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0– 44ध्2023 धारा 323ध्504ध्506 भादवि एवं मु0अ0सं0– 45ध्2023 धारा 323ध्504ध्506 को लिखवाने की बात को लेकर गाली गलौज व मारपीट कर शान्ति भंग करने में प्रथम पक्ष के 1. सुनीत सिंह पुत्र स्व0 सुनील कुमार सिंह एवं द्वितीय पक्ष के 1. अनिल सिंह पुत्र विश्राम सिंह 2. अनूप सिंह पुत्र अनिल सिंह निवासीगण ग्राम चकडीहा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज एवं ग्राम पयागपुर रमगढ़वा में शान्ति भंग करने की प्रबल संभावना पर एक पक्ष के 1. छोटेलाल पुत्र स्व0 रामजियावन 2. रवि पुत्र छोटेलाल एवं द्वितीय पक्ष के लालबहादुर पुत्र स्व0 रामजियावन निवासीगण ग्राम पयागपुर रमगढ़वा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज अन्तर्गत धारा 151ध्107ध् 116 सीआरपीसी में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–

1.भीम कुमार पुत्र यमुनाप्रसाद निवासी ग्राम भरारी प् थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

2. अवधेश कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व0 कालू राम विश्वकर्मा निवासी ग्राम साड़ी थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

3.सुनीत सिंह पुत्र स्व0 सुनील कुमार सिंह निवासी ग्राम चकडीहा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

4. अनिल सिंह पुत्र विश्राम सिंह निवासी ग्राम चकडीहा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

5. अनूप सिंह पुत्र अनिल सिंह निवासी ग्राम चकडीहा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

6. छोटेलाल पुत्र स्व0 रामजियावन निवासी ग्राम पयागपुर रमगढ़वा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

7. रवि पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम पयागपुर रमगढ़वा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज

8. लालबहादुर पुत्र स्व0 रामजियावन निवासी ग्राम पयागपुर रमगढ़वा थाना माण्डा जनपद प्रयागराज गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम द्

1.उ0नि0 दुर्गेश सिंह
2.उ0नि0 शिवशरण वर्मा
3.उ0नि0 रितेश कुमार यादव
4.का0 निरंजन सिंह
5.का0 जितेन्द्र कुमार
6.का0 हरेराम राय
7.पीआरवी–133– का0 राजकुमार।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से कमल नारायण पाण्डेय एडवोकेट व आशीष कुमार कुशवाहा।

ग्रामसमाज की जमीन भूमाफियाओं से मुक्त कराकर भूमिहीनो में पट्टा करो को लेकर किया प्रदर्शन

करछना प्रयागराज 13 मार्च, ग्राम प्रधान और सचिवों की मिलीभगत से अपात्रों को आवण्टित की जा रही आवास आवंटन की प्रक्रिया की जांच कराकर पात्र व्यक्तियों में ही आवासो का आवंटन सुनिश्चित करो, भूमिहीनो में आवंटित ग्रामसमाज की जमीनों का ग्राम प्रधानों द्वारा बेचे जाने पर रोक लगाओ, भूमाफियाओं द्वारा कब्जा की गई ग्रामसमाज की जमीनों को अविलम्ब मुक्त कराकर भूमिहीनो में तत्काल पट्टा करो, छुआछूत मानना देशद्रोह है और संविधान के अनुच्छेद 17 का उल्लंघन है, जातिवाद आतंकवाद है जातिबंदी कानून अविलंब बनाओ, जाति उत्पीड़क को आतंकवादी घोषित करो, एससी, एसटी एक्ट को बेसिक स्ट्रक्चर का पार्ट बनाओ, जातिसूचक उपनाम लगाना अपराध घोषित करो, एससी, एसटी एक्ट को बेसिक शिक्षा में शामिल करो, अंतर्विवाह पर कर छूट का कानून अभिलंब बनाओ, भारत की अस्पृश्यता, जाति व जातिवाद को शत प्रतिशत समाप्त करो, हिंदू राष्ट्र के संविधान का प्रारूप तैयार करने वालों के विरुद्ध देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करो, अंधविश्वास, पाखंड, कर्मकांड को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं के विरुद्ध देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करो, जमीन और उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करो, ग्राम समाज की जमीन भू माफियाओं से मुक्त करा कर भूमिहीनों में अभिलंब आवंटित करो आदि चौदह सूत्रीय मांगों को लेकर पूर्वांचल दलित अधिकार मंच (पदम) ने कार्यालय उप जिलाधिकारी करछना के समक्ष सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन कर आवश्यक कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौंपा।

पदम संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि संविधान शिल्पी डॉक्टर अम्बेडकर के निर्देशानुसार यदि कृषि और उद्योगों का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाए तो दोनों का मालिक राज्य हो जाएगा और संविधान के नीति निर्देशक योजना के अनुसार जमीनों का आवंटन, मूलभूत भूमि सुधार लंबे समय से लंबित है। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूरों की दयनीय दशा बढ़ गई है। क्योंकि कृषि जगत में कल– कारखानों के उपकरणों (ट्रैक्टर) के इस्तेमाल तथा बैलों द्वारा कृषि कार्य समाप्त होने की वजह से भूमिहीन कृषक मजदूर बेरोजगार हो गए हैं जिससे उनकी रोजी–रोटी का साधन भी छिन गया है और वह गरीबी से बढ़कर कंगाल की श्रेणी में आ गए है। उनके पास उत्पादन का साधन तथा बेरोजगारी मिटाने का कोई उपाय नहीं है। ऐसी स्थिति में भूमि सुधार के तहत सूबे स्तर पर ग्रामसमाज की ऊसर, बंजर, परती व सरकारी तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा क्रय की गई भूमि और सीलिंग से घोषित अतिरिक्त तथा बेनामी जमीनों को अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवंटित कराने की जरूरत है। ग्रामसभा लोटाढ़, इसौटा, भुण्डा भुवालपुर, मछहर का पुरवा, लखरावा, केशवपुर, बहेरी, करछना (बड़ी चमरौटी), हथिगन, कर्मा अड़ार, रामपुर स्थित अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियो के सैकड़ों भूमिहीनो ने भी अपने अपने गावों की समस्याओं पर आवश्यक कार्यवाही किये जाने के बावत उप जिलाधिकारी करछना डा. गणेश प्रसाद को प्रार्थना पत्र सौंपा।

पदम के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिक्ता आईपी रामबृज ने आगे बताया कि एक ओर जहां गावों के ग्राम प्रधान और सचिव मिलाकर अपात्रों में प्रधानमंत्री आवास धड़ल्ले से आवण्टित कर रहे है जिसकी जांच कराकर पात्रों में आवास आवंटित किया जाय की मांग की है तो वही दूसरी ओर भूमिहीनो में आवंटित ग्रामसमाज की जमीन को बेचने का काम कर रहे है जिसकी जांच कराकर ग्राम प्रधानों द्वारा किये जा रहे गैर कानूनी कृत्य पर अविलम्ब रोक लगाई जाय। आश्चर्य की बात तो यह है कि अनुसूचित जाति ध अनुसूचित जनजाति की पुरानी पुश्तैनी आबादी वाली भूमि मौके के अनुसार आबादी में दर्ज हो ही नहीं रही है। लेखपाल मौके के आधार पर फसलों में अनुसूचित जाति की अवादी दर्ज ही नहीं करते जिसका लाभ उठाकर पुलिस प्रशासन तथा राजस्व विभाग की लचर व्यवस्था के कारण क्षेत्रीय गुण्डे, भू–माफिया अपने अपने क्षेत्रों में हॉबी है। पदम ने मांग किया कि सरकारी स्तर से अभियान चलाकर अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को आवासीय तथा कृषि कार्य हेतु भूमि आवंटन कराने तथा दलितों की आवादी भूमि मौके के अनुसार खसरे में दर्ज कराने की मांग भी की है।

धरना प्रदर्शन में बजरंगी लाल, विद्याधर, रामबहादुर, राजकुमार, रामगोपाल, जितेन्द्र कुमार, इन्द्रबहादुर, रामस्वरूप, रामअधार, वासुदेव, अशोक कुमार, विहारीलाल, मथुरा प्रसाद, राजेश, मक्खन लाल सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कौटिल्य इंटरनेशनल स्कूल के उद्घाटन समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान, हुए रंगारंग कार्यक्रम

दुर्गागंज।रानीगंज के राजापुर देवा पट्टी में सोमवार को कौटिल्य इंटरनेशनल स्कूल का उद्घाटन समारोह हुआ। जिसमे मुख्य अतिथि महाराज बल्लभा चार्य व विशिष्ठ अतिथि ओम प्रकाश त्रिपाठी रहे। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल रीना सिंह व रविन्द्र मणि शुक्ला ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ प्रतिमा के आगे दीप जलाकर किया। जिसके बाद समारोह का आयोजन हुआ जिसमें प्रतिभाओं का सम्मान किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराज बल्लभा चार्य ने जय सिया राम का जाप करते हुऐ उन्हों ने कहा कि विद्यार्थियों को मेहनत व लगन से पढ़ाई करनी चाहिए तभी लक्ष्य की प्राप्ति होगी।वही मंच का संचालन राम शिरोमणि मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में कलाकारों ने बारी–बारी से एकल व समूह नृत्य की संस्कृति कार्यक्रम व झांकी जैसे अन्य प्रस्तुतियां की। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने अपनी नृत्य भंगिमाओं से दर्शकों का मनमोह लिया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व ब्लाक प्रमुख श्यामू ओझा,चेयरमैन सूर्य मणि शुक्ला, मैनेजर चंद्र भूषण शुक्ला, नीरज मिश्र, सुशील मिश्र,शिक्षक विपेन्द्र पाल,मधु मिश्रा, जागृति त्रिपाठी,जागृति सिंह,रुचि सिंह, प्रिया श्रीवास्तव, नैशी राव,पंकज मिश्रा,सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मा0 मंत्री जी के कर–कमलों से 11 जोड़ों को अनुदान राशि का डेमो चेक तथा विवाह प्रमाणपत्र का किया गया वितरण

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत मण्डल के जनपदों में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की 1126 व्यस्क पुत्रियों का परेड ग्राउण्ड, माघ मेला क्षेत्र में सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें 18 मुस्लिम धर्म के जोड़े भी सम्मिलित हुए। मा0 कैबिनेट मंत्री श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय, उ0प्र0 श्री अनिल राजभर, मा0 राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन विभाग श्री मनोहर लाल जी (मन्नू कोरी) व अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगणों ने सभी वर–वधू को अपना आर्शीवाद प्रदान किया तथा उनको नए जीवन में प्रवेश की शुभकामना दी। मा0 कैबिनेट मंत्री जी ने 11 जोड़ों को अपने कर–कमलों से 75 हजार रूपये अनुदान राशि का डेमो चेक तथा विवाह प्रमाणपत्र का प्रदान किया। इसके पूर्व मा0 मंत्री जी ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए मा0 कैबिनेट मंत्री श्री अनिल राजभर ने कहा कि आज जो जोड़े अपने नए जीवन की शुरूआत कर रहे है, उनको बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। मां गंगा, मां यमुना एवं मां सरस्वती की इस पवित्र धरती पर आप सभी लोगो को उनका आर्शीवाद प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मा0 मुख्यमंत्री जी ने भी अपना आर्शीवाद आप लोगो को भेजा है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व उनकी प्रेरणा से तथा मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में आज प्रदेश सरकार इस संकल्प के साथ कार्य कर रही है कि प्रदेश की धरती पर बेटी पैदा होती है, तो हम उसका भार सिर्फ उसके पिता के कंधे पर नहीं आने देंगे। प्रदेश सरकार ने बेटियों के जन्म, उनके भरण–पोषण से लेकर आगे की सभी जिम्मेदारियों का दायित्व संभालने का संकल्प ले रखा है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि यह चौथा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। प्रथम सामूहिक विवाह गाजियाबाद में 3003 जोड़ों का, दूसरा सामूहिक विवाह अयोध्या में 1705 जोड़ों का और तीसरा सामूहिक विवाह मिर्जापुर मण्डल में 1108 जोड़ों का सम्पन्न कराया है। उन्होंने कहा कि आज प्रयागराज की धरती पर चौथा सामूहिक विवाह का आयोजन हो रहा है, जिसमें 1126 जोड़ों का विवाह संगम क्षेत्र में सम्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अन्य मण्डलों में भी आयोजित होगा। मा0 मंत्री जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि श्रम विभाग द्वारा चलायी जा रही समस्त योजनाओं का लाभ पारदर्शिता एवं सुचिता के साथ अंतिम पात्र लाभार्थी तक पहुंच रहा है। इसके अतिरिक्त माननीय मंत्री जी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि बोर्ड द्वारा संचालित सभी योजनाएं पूर्णतः ऑनलाइन ओपन पोर्टल पर आधारित है। जहाँ श्रमिकों को अपने गॉव व घर बैठकर सभी योजनाओं में आवेदन ऑनलाइन कर पात्रता के अनुसार लाभ प्राप्त किया जा सकता।मा0 मंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती पर 08 करोड़ से अधिक कामगार रहते है, इनके सपनों को साकार करने के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित होकर उनके साथ खड़ी है। प्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि यहां एक भी गरीब, कमजोर कामगार व श्रमिक ऐसा नहीं बचेगा, जिसके जीवन को हम पूरी तरह से बदल न दे। प्रदेश सरकार हर परिवार के रोजगार की चिंता कर रही है। हमारा गरीब, हमारा किसान अपने बल पर आत्मनिर्भर हो, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उत्तर प्रदेश सरकार आज हर परिवार के आंकड़े जुटा रही है और ऐसे परिवार जिनके परिवार में कोई रोजगार या नौकरी नहीं है, ऐसे परिवार को सूचीबद्ध करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे हर परिवार को रोजगार उपलब्ध ा कराकर उनके जीवन स्तर को उपर उठाया जा सके। हमारी सरकार 24 घण्टे गरीबों व प्रदेश की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर बेटियों के मां बाप को आश्वस्त करना चाहते है कि सरकार आप के साथ है। मा0 मंत्री जी ने कहा कि सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश की धरती पर कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। उन्होंने कहा कि आज जिन जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ है, मेरा उनसे आग्रह है कि श्रम विभाग की तमाम योजनाओं के साथ आप अपने आप को जोड़ कर उनका लाभ उठायें। मा0 मंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर गरीब, हर कमजोर, हर किसान के सपनों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित है और उन्हें पूरा करेंगे।इस अवसर पर मा0 राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन विभाग श्री मनोहर लाल जी(मन्नू कोरी) ने सभी जोड़ों को नव जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उन्नति की ओर अग्रसर है। अब बेटियों के परिजनों को इस बात की चिंता नहीं करनी पड़ती है कि उनका लालन–पालन एवं उनके दायित्वों का निर्वहन कैसे होगा। गरीबों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कई योजनाएं चलायी जा रही है, जिनमें श्रम विभाग द्वारा चलायी जा रही कन्या विवाह योजना भी है, जिसके तहत सभी नव विवाहित जोड़ो को 75 हजार रू0 की अनुदान राशि दी जायेगी। इस अवसर पर मा0 विधायक फूलपुर प्रवीण पटेल, मा0 विधायक फाफामऊ श्री गुरू प्रसाद मौर्या, मा0 विधायक करछना श्री पीयूष रंजन निषाद, मा0 विधान परिषद सदस्य श्री सुरेन्द्र चौधरी, किन्नर अखाड़ा की महामण्डलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना मां), भाजपा यमुनापार अध्यक्ष श्री विश्वनाथ भारतीय, जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, उपश्रमायुक्त श्री राजेश मिश्रा ने सभी जोड़ो को आर्शीवाद देते हुए उनके खुशहाल जीवन की कामना की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में उपश्रमायुक्त श्री राजेश मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिकों के वर–वधुओं को पोशाक क्रय करने हेतु रू0 10000ध्– उनके खाते में अंतरित किया जा चुका है तथा रू0 65,000ध्–पंजीकृत श्रमिक के आधार लिंक बैंक खाते में अन्तरित किया जायेगा। इस प्रकार योजना के अन्तर्गत प्रति श्रमिक रू0 75,000ध्– की धनराशि श्रमिकों के खाते में अन्तरित किए जाने का प्रावधान है। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम में आये हुए लोगो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रंजना त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पूरा प्रदेश बेरोजगारी, महंगाई, एवं आराजकता की भेंट चढ़ गया– बृजलाल खाबरी

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के सभी राज्यों में मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं अडानी के पक्ष में भाजपा सरकार की क्रोनी कैपिटलिज्म (मित्र पूंजीवाद) की नीति के खिलाफ तथा श्री राहुल गांधी जी द्वारा सदन में एवं सदन के बाहर बार–बार पूछे जाने कि प्रधानमंत्री का अडानी से रिश्ता क्या है? मोदी जी की विदेश यात्राओं और अडानी समूह के मध्य क्या रिश्ता है? क्या कारण है मोदी जी अडानी का नाम लेने से बचते हैं? एलआईसी, एसबीआई का नुकसान होने के बावजूद भी कोई भी जांच एजेंसी इस प्रकरण की जांच क्यों नहीं कर रही है? देश के तमाम संस्थान अडानी सहित कुछ ही उद्योगपतियों को ही क्यों दिये जा रहे हैं, प्रधानमंत्री जवाब नहीं देते हैं। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों द्वारा जेपीसी की मांग नहीं मानी जाती है, इन सभी ज्वलंत मुद्दों को लेकर कांग्रेसजनों द्वारा "चलो राजभवन मार्च" का आयोजन हुआ, जिस क्रम में आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद श्री बृजलाल खाबरी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सचिवगण श्री सत्य नारायण पटेल, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, पूर्व सासंदगण राजेश मिश्रा, कमल किशोर कमांडो, ए0पी0 गौतम, पूर्व विधायकगण सतीश अजमानी, हरीश बाजपेई, प्रदीप माथुर, श्रीमती लुईस खुर्शीद, भगवती प्रसाद चौधरी, श्याम किशोर शुक्ल, अनुग्रह नारायण सिंह, विवेक बंसल, सतीश शर्मा, अनिल अमिताभ दुबे, सोहिल अख्तर अंसारी, डॉ0 मसूद अहमद, इन्दल रावत, फूल कुंवर, प्रदेश महासचिव प्रशासन प्रभारी श्री दिनेश सिंह सहित हजारों की तदात में कांग्रेसजनों ने राजभवन की ओर मार्च किया, जिस दौरान रास्ते में ही योगी सरकार की पुलिस ने बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया, तद्पशात धक्का–मुक्की के बीच कांग्रेसजनों को गिरफ्तार कर अस्थाई जेल ईको गार्डन ले जाया गया। उसी समय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ममता चौधरी, शहला अहरारी, प्रतिमा अटल पाल, रूबीना रईस, सय्यदा तनवीर फातिमा सहित तमाम कांग्रेसजन राजभवन तक पहुंचे।उक्त जानकारी देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता कृष्णकांत पाण्डेय ने बताया कि विधायक एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र चौधरी जी को अपने क्षेत्र में ही नजरबंद कर दिया गया वहीं आज राजभवन जाते समय प्रदेश अध्यक्ष श्री बृजलाल खाबरी, प्रांतीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, श्री नकुल दुबे, श्री अजय राय, श्री योगेश दीक्षित, श्री अनिल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, मकसूद खान, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, महासचिव शरद मिश्रा, विवेकानंद पाठक, श्याम सुंदर उपाध्याय बिट्टू, सैफ अली नकवी, सुबोध श्रीवास्तव, बदरूद्दीन कुरैशी, अरशद अली गुड्डू, राघवेन्द्र सिंह, विदित चौधरी, जयकरन वर्मा, संगठन सचिव अनिल यादव, मनोज यादव, सेवादल मुख्य संगठन डॉ0 प्रमोद कुमार पाण्डेय, मीडिया संयोजक ललन कुमार, अशोक सिंह, अंशू अवस्थी, प्रदेश प्रवक्ता पंकज तिवारी, विकास श्रीवास्तव, संजय सिंह, मुकेश सिंह चौहान, सचिन रावत, प्रभाकर पाण्डेय, आस्था तिवारी, रफत फातिमा, प्रदेश सचिव मुकेश धनगर, चन्द्रशेखर मिश्रा, सच्चिदानंद पाण्डेय, बृजेश सिंह, शाहनवाज मंगल आजमी, मनोज तिवारी, ज्ञानेश शुक्ला, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, राजेश सिंह काली, डॉ0 जियाराम वर्मा, डॉ0 रेहान अहमद खान, अजय सिंह, कनिष्क पाण्डेय, वर्चस्व पाण्डेय, नरेन्द्र शुक्ला, अनस रहमान, सौरभ, समीर श्रीवास्तव, महिला कांग्रेस अध्यक्षगण ममता चौधरी, शहला अहरारी, ममता राजपूत, प्रतिमा अटल पाल, जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, प्रमोद सिंह, बृजेन्द्र सिंह, अमरनाथ अग्रवाल, रमेश मिश्रा, सीमा चौधरी, सुनीता रावत, अमित श्रीवास्तव त्यागी, हनीफ खान, शामीना शफीक, सुशीला शर्मा, प्रज्ञा सिंह, डॉ0 रिचा शर्मा, डॉ0 सुधा मिश्रा, रूबीना रईस, अयूब सिद्दीकी, दिलदार हुसैन, बाबा जुबैर बेग, सहित हजारों कांग्रेसजनों को गिरफ्तार किया गया।श्री पाण्डेय ने आगे बताया कि उपस्थित कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष श्री बृजलाल खाबरी ने कहा कि जहां पूरा देश गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहा है महंगाई चरमोत्कर्ष पर है, बेरोजगारी से नौजवानों की कमर टूट गई है, वहीं भाजपा सरकार देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को अडानी समूह को बेंच रही है और स्टेट बैंक, एलआईसी, जैसे सार्वजनिक संस्थानों को निवेश करने के लिए मजबूर कर रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग की करोड़ों की बचत जोखिम में है।श्री खाबरी ने आगे कहा कि भाजपा का मुख्य मकसद जाति, धर्म के नाम पर लोगों को बांटना तथा समाज में नफरत फैलाना है, इस नफरत को समाप्त करने के लिए तथा जनता के हितों के लिए कांग्रेस सदैव से ही संघर्षरत रही है और आगे भी रहेगी। कांग्रेस के समय में जितने भी संस्थान बने जिसे सुरक्षित रखा गया तथा करोड़ो लोगों को रोजगार मिला आज भाजपा अपने उद्योगपति मित्रों को दे रही है। रोजगार के नाम पर सरकार द्वारा झूठ बोला जा रहा है, पूरा प्रदेश बेरोजगारी, महंगाई, एवं आराजकता की भेंट चढ़ गया है। जीरो टॉलरेन्स की बात करने वाली भाजपा सरकार में अपराध और अधिक बढ़ गया है।श्री पाण्डेय ने बताया कि लगभग सभी जनपदों के जिलाध्शहर अध्यक्ष, सहित हजारों कॉंग्रेसजन मार्च में भागीदार रहे। प्रशासन द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री बृजलाल खाबरी सहित गिरफ्तार किये गये सभी नेताओं को शाम को रिहा किया गया।

सम्पादकीय

कुल्फी वाला !

ठेला गाड़ी की घंटी बजते ही मोहल्ले के बच्चे कुल्फी वाले को घेर लेते । यहतले मेरी कुल्फीश चिल्लाते हुए बच्चों में कुल्फी लेने की होड़ लग जाती ।बच्चों में कुल्फी वाले अंकल के नाम से प्रसिद्ध मोहन शाम को सात बजते ही मोहल्ले में प्रवेश कर लेता । इंतजार करने करते बच्चे ठेला गाड़ी की ओर दौड़ पड़ते। कुल्फी वाला बारी बारी से पैसे लेकर सभी को कुल्फी पकड़ा देता।

सोनू (लड़का) ७ कुल्फी वाले अंकल, आप इतनी सारी कुल्फी कैसे बना लेते हो ?७

मोनू (दूसरा लड़का) ७ आपकी कुल्फी बहुत टेस्टी होती है। पापा मम्मी को भी आपकी कुल्फी बहुत पसंद है।७

कुल्फी वाला ७ आधी रात से तैयारी शुरू कर देते हैं। तब कहीं जाकर सुबह फेरी की तैयारी होता है ।७

सोनू ७ अंकल, आपके बच्चे नहीं है क्या ? कभी साथ में नहीं लाते।७

कुल्फी वाला ७ एक बेटी है। स्कूल जाती है। उसको बहुत पढ़ाना है। कुल्फी का धंधा आसान नहीं है।७

धीरे–धीरे सभी बच्चे कुल्फी खरीदकर अपने अपने घरों को चले गए। तभी कुल्फी वाले की नजर स्ट्रीट लाइट के नीचे रो रही छोटी लड़की पर पड़ जाती है। वह लड़की को अपने पास बुला लेता है।

कुल्फी वाला ७ अरे बेटा, क्यों रो रही हो ?७

लड़की ७ मम्मी कहती है पैसे नहीं है। मुझे कुल्फी खाना है।७

कुल्फी वाला ७ ज्यादा कुल्फी खाना अच्छी बात नहीं है। इसीलिए मम्मी ने मना कर दिया होगा।७

लड़की ष्मैंने तो अभी तक कुल्फी नहीं खाई है। पापा बीमार हैं। मम्मी कहती है इलाज में पैसे खत्म हो गए।७

कुल्फी वाला ष्अरे बेटा, इसमें रोने की कौन सी बात है। बाद में पैसे दे देना।७

लड़की ७ मम्मी बर्तन पोंछा करती है। हम सामने वाली झोपड़ी में रहते हैं।७

कुल्फी वाले ने एक कुल्फी लड़की के हाथ में थमाते हुए कहा ७ यह वाली कुल्फी बिल्कुल मुफ्त मिलती है ।इसका कोई पैसा नहीं लगता।७

कुल्फी वाला आगे निकल गया। लड़की स्ट्रीट लाइट के नीचे खड़े होकर कुल्फी वाले को देखते हुए कुल्फी खाने लगी।

रमेश चंद्र शर्मा इंदौर।

दहेज

मंगली शादी से एकदम अंजान थी। उसकी उम्र ही क्या थी ये १३ वर्ष होगी। उसकी उम्र से दुगनी उम्र का उसका भई था रतन, जिसका ब्याह अभी तक नहीं हुआ था। वजह थी दहेज में मांगे जाने वाली हजारों की राशि नगद राशि, जो उसके पिता मांगू के पास नहीं थी। आखिर विवश मांगू ने रतन की बहन मंगली का ब्याह तय कर दिया एक लाख रुपए में । बेहद खूबसूरत, मासूम किशोर मंगली इस बात से अनभिज्ञ थी। कल तक जो अपनी सहेलियों संग खिलेती, पोखरा का पानी उछलती अपने बचपन में मस्त थीं। अचानक आज दुल्हन बन कर गहन गंभीर हो एक कोने में चुपचाप बैठी थी। इधर मांगू ने मंगली के ब्याह से मिली एक लाख की राशि से अपने लड़के रतन के लिए मंगली की उम्र की लड़की की तलाश प्रारंभ कर दी

डॉ रामशंकर चंचल
झाबुआ मध्य प्रदेश

आदिवासी अंचल में लड़की के ब्याह में लड़के वाले को दहेज देना पड़ता है।

भूख

प्रदेश शासन के आदेश जिला प्रशासन को मिला शाला जांच कर दस दिन में जानकारी दे.आदेश पा जिला प्रशासन अधिकारी बेहद खुश थे, कलेक्टर ने तीन अधिकारी को ले एक जाँच समिति गाँव की शालाओ मै एक गाड़ी दे दोडा दी सभी अध्यापक सावधान भी हो गये पर आंतकियों की तरह सवार जीप में उन अधिकारी के सामने लाचार अध्यापक क्या करता जीप दोड़ती हुई गाँव बनाम सेमलीय शाला पहुंची अध्यापक सीताराम का

छात्र उपस्थित रजिस्टर चेक किया सो में अस्सी छात्र थे अच्छी उपस्थित थी

पर फिर भी सीताराम को अधिकारी सभी ने मिल खूब ६ ामकाया और डराया. आखिर नौकरी चली नहीं जाय के भय से भयभीत सीताराम ने उन तीनों दुष्ट अधिकारी को उनके कहे अनुसार राशि देने को राजी हो गया

पूरे दो माह का वेतन

सोचता हूँ आज आदमी आदमी को. नारी नारी को. धर्म धर्म को खा रहा है

हर तरफ आंतक है लाचार. असहाय और सीधे साधे इंसानो का जीना बहुत ही मुश्कलि हो गया है

लाचार सीताराम ने नोटों से अधिकारी तीनों की जेब भर दी सब कुछ सही होने के बाबजूद सीताराम की यह कैसी विवशता थी जिसने अपने बच्चों का दो माह का खाना पीना की राशि उन भिखारी बने अधिकारी को दान कर दी.

लाचार सीताराम अपने कमरे में टंगी

सीता राम की तस्वीर को निहार रहा था जो तस्वीर में बैठे मुस्कुरा रहे थे

पता नहीं सीताराम के साथ यह अन्याय कर वे उसके भीतर किस आदमी का निर्माण कर रहे थे .

सीताराम के बच्चों की भूख का उन अथाह पेट भरे अधिकारी तीनों ने अपनी अय्यासी की भूख को शांत करने के लिए छिना था. भला इस अन्याय का परिणाम क्या होगा ये सीताराम का आने वाला कल ही बता सकता हैं अन्याय उसने सहा है

डॉ राम शंकर चंचल झाबुआ मध्य प्रदेश

आज की कला यानी नए के नाम पर पुराना और चंद नामों का ताना-बाना

आज भी भारतीय कलाकार हेनरी मातीस, पॉल क्ली, पॉल सेजान, क्लाउडे मोने और वैन गॉग की प्रशंसा से बाहर नहीं आ पाते। रवींद्रनाथ, अबनींद्रनाथ, जामिनी राय या असित कुमार हालदार से आगे भी हम कभी चलेंगे!नई शती के दो दशक बीत गए। दृश्य विद्रूप संसार में हम यह भूल गए कि हमारा भी कोई निजी अस्तित्व है और हमें दूसरों की बात नहीं दोहरानी। पिछली शती तक कम से यह तथ्य जीवित था कि कला, विद्या और शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाएं अपनी बात कहने को उत्सुक रहती थीं। पत्र–पत्रिकाओं में कविता, कहानी के माध्यम से, शिक्षा परिसरों में शिक्षक अपने शोध प्रबंध के जरिये और कला की दुनिया में अपने विचार के जरिये कलाकार अपनी जगह बनाते थे। क्या यह स्खलन पिछली शती के ढलते वर्षों में ही दिखने लगा था या पैसे और प्रसिद्धि के भंवर में वे लोग, जो अपने को अब भी साहित्य, कला और विज्ञान की दुनिया में गर्व से रखना चाहते हैं, यह भूल गए हैं कि उन्हें अपनी मौलिकता के साथ प्रस्तुत होना है।तमाम पुस्तक मेले, साहित्य उत्सवों और परिसर संगोष्ठियों को देखते हुए तो ऐसा ही लगता है। पिछले दिनों मुझे मुंबई विश्वविद्यालय और पुणे फिल्म संस्थान में एक बार फिर, करीब एक दशक बाद, फिल्म पढ़ाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय में फिल्म की शब्दावलियों से विद्यार्थी परिचित न हों, यह समझ में आता है, लेकिन फिल्म संस्थान में विद्यार्थी श्मेजॉर्न अबीमश जैसी तकनीकी शब्दावली को आश्चर्य से सुन रहे थे।

ठीक इसी तरह प्रकाशित कविताओं, कहानियों और इनके संग्रहों से होकर गुजरते हुए यह स्पष्ट होता है कि युवा लेखक और कवि तीसरे दर्जे के रचनाकारों को पढ़ने तक ही सीमित हैं या फिर पहले दर्जे की उन्हें भनक नहीं, या फिर ऐसी संवेदन ग्राह्यता ही उनमें पनप नहीं पाई है। कुछ प्रतिभाएं हरी घास पर क्षण भर की तरह दिखती हैं। न कविताओं में काव्य स्पर्श है, न उनके गद्य में। हाल ही में कृष्णबिहारी मिश्र का देहांत हुआ। पत्रकारिता पर लिखी उनकी किताब गद्य के देश में एक किंवदंती है और इसे पढ़कर युवा लेखक भाषिक दृष्टि और मौलिक विमर्श का नया संस्कार खुद में ला सकते हैं। यह किताब पढ़ने से हिंदी साहित्य और भाषा का संस्कार गहन होता है। कृष्णबिहारी मिश्र का आलोकवर्षी साहित्य वैशिष्ट्य देखकर ही हजारी प्रसाद द्विवेदी ने इस किताब की भूमिका लिखी थी।याद आता है, कभी युवा फिल्मकारों को इंगमार बर्गमैन ने कहा था कि यदि आपके पास कहने को कुछ नहीं है, तो आपको फिल्म नहीं बनानी चाहिए। जिन फिल्म रसिकों ने उनकी सेवेन्थ सील और वाइल्ड स्ट्रॉबेरीज देखी हैं, वे मौलिकता पर उनकी यह बात सहज उष्णता के साथ समझ सकते हैं। हजारी प्रसाद जी इसे ही पुनर्नवा कहते थे।अपने प्रकाश के वलय में आने से पहले का रचा हुआ सब कुछ मुरझाया हुआ है। वह सब कुछ जब इस प्रकाश के गोलार्ध में आता है, तो फिर से नया हो उठता है, वसंत की नई कोंपलों की तरह और उन्हें नया जीवन मिल जाता है। लेकिन यह प्रकाश, अपना प्रकाश युवा कलाकार या लेखक कहां से लाए! कला दीर्घांशों में तीन दशकीय कैनवास पर वह सब कुछ है, जो कहीं न कहीं हो चुका है। नया के नाम पर पुराना ही है। आज भी भारतीय कलाकार हेनरी मातीस, पॉल क्ली, पॉल सेजान, क्लाउडे मोने और वैन गॉग की प्रशंसा से बाहर नहीं आ पाते। रवींद्रनाथ, अबनींद्रनाथ, जामिनी राय या असित कुमार हालदार से आगे भी हम कभी चलेंगे!उसी तरह निर्मल वर्मा, कुंवर नारायण और श्रीकांत वर्मा से आगे भी कभी कुछ हिंदी में लिखा जाएगा!ऋत्विक घटक और कुमार गंधर्व के बाद क्या है? शास्त्रीय संगीत में ध्रुपद आज कोई सुनना नहीं चाहता और ख्याल के कलाकार ट्यूशन पर आश्रित हो गए हैं। ऐसे में जहिर है, हमें कोई दूसरा बड़े गुलाम अली या सिद्धेश्वरी देवी तो मिलने से रहा। संगीत यानी दुमरी, तबला और कथक का कोई घराना कभी बनारस में भी हुआ करता था, अब नई पीढ़ी को फिल्म बनाकर यह दिखाने की जरूरत है।एक उदाहरण से समझें। हाल ही में मैंने अपनी फिल्म पद्मकौमुदी की देश भर में सत्तर स्क्रीनिंग की। यह फिल्म दुमरी साम्राज्ञी सिद्धेश्वरी देवी की शिष्या कौमुदी मुंशी के बहाने बनारस की दुमरी पर केंद्रित है। सिद्धेश्वरी देवी से सीखने के बाद कौमुदी बेन ने पिछले सत्तर साल में पूरे गुजरात और महाराष्ट्र में विशेष प्रतिष्ठा अर्जित की थी। वह बनारस की ही थीं।फिल्म प्रदर्शन से यह बात सामने आई कि बनारस समेत पूरे उत्तर प्रदेश में संगीत रसिकों ने कौमुदी मुंशी का नाम ही नहीं सुना था। सभी सिद्धेश्वरी देवी के बाद उनकी बेटी सविता देवी से ही दुमरी की इस गायकी की इतिश्री मान बैठे थे और फिर इसके बाद से शुरु हुआ गिरिजा देवी का संसार ही देश भर में मुखर हुआ, जो अब उनकी शिष्याओं के साथ अवसान की ओर है, क्योंकि उनकी एकमात्र शिष्या रूपान सरकार के अलावा हर किसी ने ख्याल गाना ही छोड़ रखा है। यह फिल्म बनाने का उद्देश्य ही यह था कि लोग यह जानें कि गिरिजा देवी की प्रतिष्ठा सिद्धेश्वरी देवी के जाने से नहीं हुई, बल्कि सिद्धेश्वरी देवी की दुमरी धारा आगे भी चलती रही है, जारी है और वह सिर्फ सविता देवी तक सीमित नहीं हैं।

चिंताजनक : भारत में लाखों बूढ़े माँ-बाप वृद्धाश्रमों में जिंदगी जीने को मजबूर ?

लेखक युद्धवीर सिंह लांबा

किसी ने रोजा रखा तो किसी ने उपवास रखा ।

कबूल होगा उसी का जिसने माँ–बाप को अपने पास रखा ।

भारतीय संस्कृति में माता–पिता को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया जाता है। कहा जाता है कि अगर आप अपने मां–बाप की सेवा करते हैं तो उसका पुण्य चारों धामों की यात्रा से भी अधिक होता है । मां बाप हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखते है और मां बाप की वजह से हम आज इस दुनिया में हैं। मां बाप की सेवा जीता जागता तीर्थ है। भारतीय संस्कृति हमें अपने बजुर्ग माँ बाप का आदर सम्मान करना सिखाती है। अपने माता–पिता की सेवा करना ईश्वर की सेवा करने के बराबर है।

माता–पिता की सेवा करना ही पुत्र का सबसे बड़ा धर्म है।

भारत देश में वृद्धाश्रमों की दिन–ब–दिन बढ़ती संख्या बेहद चिंताजनक है । बहुत ही शर्मनाक है कि भारत में वृद्धाश्रमों में न जाने ऐसे कितने बुजुर्ग रह रहे हैं, जिन्होंने अपने बच्चों को दिन रात मेहनत कर पढ़ा लिखाकर सफल इंसान बनाया, परन्तु जब बच्चों की बारी आई तो उन्हें अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लिया। समाज की यह कैसी विडंबना है कि जिन बच्चों के लिए मां–बाप पूरा जीवन खपा देते हैं, उम्र के आखिरी पड़ाव पर वही बच्चे उनकी परवरिश से हाथ खींच लेते हैं। हैरत की बात यह है कि हर रोज ऐसे–ऐसे मामले सामने आ रहे है कि आर्थिक रूप से सक्षम अपने बेटों और बहुओं के होते हुए भी बूढे माँ–बाप वृद्धाश्रमों में रहकर दिन गुजार रहे है । बेटो को अपने बूढ़े माता–पिता के खांसने की आवाज भी नागवार गुजरने लगती है। पाश्चात्य सभ्यता के चलते आज भारत की युवा पीढ़ी भूलती जा रही है कि भारत में भगवान श्रीराम अपने पिता राजा दशरथ के वचनों को पूरा करने के लिए संपूर्ण वैभव को त्याग 14 वर्ष के लिए खुशी – खुशी वन चले गए थे और श्रवण कुमार अपने अंधे माता पिता को कांवर में बैठा कर तीर्थ यात्रा के लिए लेकर गए थे ।कहते है माँ बाप के कदमों में स्वर्ग–जन्नत होती है। आज समाज में नैतिक मूल्यों का इतना पतन हो गया है कि तिनका–तिनका जोड़कर अपने बच्चों के लिए आशियाना बनाने वाले बड़े बुजुर्ग जिंदगी के अंतिम दिन बिताने के लिए खुद आशियाने की तलाश में दर–ब–दर भटक रहे हैं । आज जिस तरह से पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर हमारी युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति नैतिक मूल्यों को भूलकर अपने माँ बाप को वृद्धाश्रमों में छोड़ रहे रही है वह बेहद चिंता का विषय है। हालात यह हो गए कि भरा पूरा परिवार होने के बाद भी बुर्जुग वृद्धाश्रम में अपनी जिंदगी काटने के लिए मजबूर है। देश में शहर–दर–शहर बहुत ही तेजी से वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या व्यापक सामाजिक स्तर पर नैतिक मूल्यों के पतन की कहानी है।

नास्ति मातृसमा छायाए नास्ति मातृसमा गतिरू नास्ति मातृसमं त्राणंए नास्ति मातृसमा प्रियाश । 'महाभारत' के रचयिता महर्षि वेदव्यास ने 'माँ' के बारे में लिखा है कि माता के तुल्य कोई छाया नहीं है, माता के तुल्य कोई सहारा नहीं है। माता के सदृश कोई रक्षक नहीं तथा माता के समान कोई प्रिय नहीं है।

जीवन में माँ बाप के योगदान को कोई भूल नहीं सकता, भारत के मिसाइलमैन के नाम से मशहूर देश के पूर्व राष्ट्रपति और भारत रत्न से सम्मानित वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माँ को देते थे, उनके अनुसार 'मैं अपने बचपन के दिन नही भूल सकता, मेरे बचपन को निखारने में मेरी माँ का विशेष योगदान था।

रामायण में भगवान श्रीराम अपने श्रीमुख से कहते हैं 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' अर्थात जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

माँ बाप की सेवा के लिए मनुस्मृति में मनु लिखते हैं, यं मातापितरौ क्लेशं सहेते संभवे नृणाम् । न तस्य निष्कृतिः शक्या कर्तुं वर्षशतैरपि ६ अर्थात संतान की उत्पत्ति में माता–पिता को जो कष्ट–पीड़ा सहन करना पड़ता है उस कष्ट पीड़ा से संतान सौ वर्षों में भी अपने माँ बाप की सेवा करके मुक्ति नही पा सकते।।

आमतौर पर शहरों में देखा जाता है कि भारत में नैतिक मूल्यों का इस हद तक ह्रस हो चुका है कि बेटे अपने आलीशान मकान में किरायेदार रख सकता है, लेकिन बूढ़े मां–बाप के लिए जगह नहीं है। जीवन के अंतिम मुकाम पर पहुंचकर मां–बाप खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं क्योंकि जिन माता–पिता ने अपने बेटे को पाला–पोसा, पढ़ाया–लिखाया और उन्हें उनके पैरों पर खड़ा किया, वे ही बेटे आज के दौर में बूढ़े मां–बाप को बोझ समझने लगे हैं। आए दिन बच्चों द्वारा मां–बाप की हत्या की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

वृद्धाश्रमों में ऐसे बहुत से बुजुर्ग हैं, जो संपन्न परिवार से हैं। जिनके बेटों के पास पैसों की कमी नहीं है लेकिन वह अपने मां–बाप को साथ नहीं रखना चाहते है । वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों का एक ही बेडा दुख है। उनका कहना है कि इंसान भगवान से बेटे इसलिए मांगता है कि बुढ़ापे में बेटे उनकी लाठी बनकर सहारा दे, ताकि जिंदगी का आखिरी दौर आसानी से कट जाए। पर अगर मां–बाप के जिंदा रहते बेटे उन्हें न पूछें, ना सेवा करें तो मरने के बाद श्राद्ध करने का क्या फायदा? सेवा करनी है तो जीते जी करो, मरने के बाद क्या होगा, किसने देखा है।

दाद (रिंगवार्म) होने के कारण

होने का कारण

दाद फंगल के संक्रमण के कारण होता है, यह फफूंदी जैसा परजीवी बाहरी त्वचा की कोशिकाओं में पनपता है। यह बड़ी ही आसानी से तथा कई तरीकों से फैल सकता है। अगर किसी जानवर को दाद हुआ है तो उस जानवर को स्पर्श करने से भी दाद का संक्रमण मनुष्य के शरीर में फैल सकता है या किसी संक्रमित व्यक्ति के कपड़े व्यवहार करने से भी । साथ ही सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण कारण होता है शरीर के वो अंग जो गीले होते है यक जहाँ पसीना हमेशा बना रहता हैं ।

इसका रूप

इसमें त्वचा पर लाल रंग के रिंग याने छल्ले जैसे चकत्ते हो जाते हैं। ये चकत्ते शरीर में कहीं पर भी हो सकते हैं सिर, पैर, पेट, गाल, पीठ और जांघ के बीच का हिस्से आम हैं।

ध्यान देने वाली बात यह है कि इसे बाह्य दवा से मिटाने की चेष्टा न कर दवा के भीतरी प्रयोग से ही ठीक करने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि इसके इलाज के दौरान उपयोग में आने वाली दवाओं के कुप्रभाव से रोग तो जड़ से ठीक नहीं होते बल्कि स्थाई पेट की गडबड़ी, अस्थमा, कान में मवाद, नाक से हमेशा पानी चूना, हृदय रोग, रक्तपित्त और टीवी आदि जैसे बीमारियों के हम रोगी हो जाते हैं ।

दाद खाज खुजली किसकी कमी से होता है?

रिकन के लिए विटामिन डी बहुत जरूरी है. बॉडी में अगर विटामिन डी की कमी हो जाए तो रिकन में इाइनेस, खुजली, जलन जैसी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है

प्लीहा तिल्ली स्प्लिन यह पेट में स्थित ऐसा अंग है जो पुराने लाल रक्त को नष्ट कर नये रक्त का भंडार करता है साथ ही हमारी रोग प्रतिरोध क क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है । इसकी गडबड़ी भी त्वचा रोग की वजह होती है । अपने इस अंग को ठीक रखने के लिए पुराना चावल, खजूर, बथुआ , अरहर की दाल, परवल, हींग, सेंधा नमक का व्यवहार करना चाहिए ।

मांसाहार, मल–मूत्र को रोकना, सूखा साग आदि अंग को खराब करता है ।

दाद होने पर क्या क्या नहीं खाना चाहिए?

' ष्मसालेदार और जंक फूड से परहेज रखें।

' ६ डेयरी प्रोडक्ट्स

' ष्खट्टा खाना बढ़ा सकता है परेशानी

'६ तिल के सेवन से बचें

' ष्गुड़ या मीठा का सेवन भी नुकसानदायक है

' दही छूटा हुआ दाद को पुनः पुनर्जीवित कर देता है ।

बचाव

जिन लोगों को संक्रमण है, उनके संपर्क में आने के बाद लोगों को दाद हो सकता है । संक्रमण फैलने से बचने के लिए, दाद वाले लोगों को कपड़े, तौलिये, कंघी, या अन्य व्यक्तिगत वस्तुओं को अन्य लोगों के साथ साझा नहीं करना चाहिए।

स्थाई इलाज

1 इंच कच्ची हल्दी (छिलका हटाकर). 12 नीम के कोमल पत्ते. थोड़ा गुड़ के साथ अच्छे से चबाकर पूरा निगल जाएं । चार दिन लगातार सुबह खाली पेट करें फिर अगले सप्ताह करें, इस तरह इसे आप चर बार दोहरा लीजिए ।

वसंत ऋतु में सभी इसका व्यवहार चार दिन कर लेंगे तो त्वचा संक्रमण से वो बचे रहेंगे साथ ही साल भर चेचक रोग की संभावना भी खत्म हो जाती है ।

2) साबुन का व्यवहार न करें ।।इसके बदले नीम की पत्ता थोड़ा फिटकरी डालकर पानी खौला लें ठंडा होने पर इसी पत्ती से त्वचा रगड़कर उस पानी से नहा लें ।

3) नहाने के बाद त्वचा पर नीम का तेल अवश्य लगाएं।

4) त्वचा को सुखा रखें (अंदर के कपड़े को तीन बार बदलें उपयोगी आसन– गोमुखासन, अग्निसार मुद्रा , योगमुद्रा, दीर्घ प्रणाम , भुजंगासन ।

पैर छूकर प्रणाम का विज्ञान

कहते है की पैर छूकर प्रणाम करना विनम्रता का सूचक है साथ ही इससे खून का सही से संचार भी होता रहता हैं । पहले समाज में रिश्ते बड़ो को प्रणाम करना आदि अहम् बातें बहुत महत्व रखते थे । इसके विपरीत आज चाचा– चाची, फूफा –फूफी, मामा, मामी आदि जैसे सारगर्भित रिश्तो पर अंकल–आंटी शब्द का लेबल लग गया है । इस कारण नजदीक और दूर के रिश्तों को पहचानना मुश्किल हो गया हैं । या यो कहे की जिससे हित सधे वो रिश्ते अच्छे नहीं सधे वो रिश्ते खराब ।

भारतीय संस्कृति द्वारा वर्णित सुसंस्कार जिनके अनुसार बड़ों को पैर छूकर समुचित प्रणाम करना सहित आदर एवं छोटों को स्नेह पाठ पढ़ाया जाता है उससे आज हम विमुख होते जा रहे हैं । सच्चाई, प्रेम, सहिष्णुता, परोपकार की भावना, कर्तव्यनिष्ठा, संयम, सादा जीवन –उच्च विचार देशभक्ति करुणा इत्यादि मानवीय गुण मात्र पुस्तकीय बातें या फिर भाषण बनकर रह गए हैं। हेलो, हाय के संस्कृति के मायाजाल में नमस्कार या प्रणाम करने में झिझक महसूस होने लगी है । टी . वी व मोबाइल आदि पर प्रसारित कार्यक्रमों से भी चरित्र निर्माण में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पहले संयुक्त परिवार में सभी बच्चे मिलजुल कर हर चीज बाँटकर इस्तेमाल करते थे । आजकल एकल परिवार के होने के कारण सामाजिक नहीं रहे और उनकी सोच स्वयं तक ही सीमित रहती है। पहले घर के बाहर के खेल ज्यादा थे, खानपान भी शुद्ध था , शारिरिक श्रम भी था जिससे वे तंदुरुस्त रहते थे पर आजकल टेलीविजन –मोबाइल में ज्यादा समय,अशुद्ध खानपान व शारीरिक श्रम कम होने से ज्यादा बीमारियां होने लगी हैं। आज हमें अविलंब अपना विवेक जगाना होगा इसी में हमारा, समाज,और देश का हित है । पैर छूने की प्रणाम की सही से प्रणाली निरन्तर विकसित हो । यह छोटों द्वारा बड़ों के प्रति आदर सूचक तो है ही साथ ही साथ वैज्ञानिक दृष्टि से लाभप्रद भी हैं ।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

परामर्श केन्द्र मे आपसी सुलह के तहत दो जोड़े हुए एक

बांदा। महिला थाना परिवार परामर्श केन्द्र मे रविवार को 7 मामले आए इनमे 3 मामलों मे दोनो पक्षों को सोंचने–समझने का समय दिया गया। दो अन्य मामलों मे दूसरा पक्ष उपस्थित नही हुआ। विमला पत्नी राजकुमार निषाद निवासी केवटरा कोतवाली नगर एवं नसरीन जहां पत्नी इकबाल अहमद निवासी निम्नी पार कोतवाली नगर को परामर्श कमेटी के सदस्यों समाजसेवी डॉ0 जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी, रिजवान अली अध्यक्ष बांदा रोटी बैंक व सबीहा रहमानी प्रोक्ता महिला डिग्री कॉलेज के समझाने–बुझाने पर दोनो लोग साथ रहने के लिए तैयार हो गये। इसके पश्चात महिला थानाध्यक्ष संगीता सिंह ने दोनो जोड़ों को आशीर्वाद देकर सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए प्रसन्नता के साथ विदा किया। बताते चलें कि पति–पत्नी के बीच विवादों को समझा–बुझाकर साथ रहने के लिए परिवार परामर्श केन्द्र लगातार प्रयासरत है। लोगों का कहना है कि परामर्श केन्द्र पति–पत्नी के बीच विवादों का निस्तारण आपसी सुलह के आधार पर कराया जाना सराहनीय है। परिवार परामर्श केन्द्र तमाम बिखरे हुए परिवारों को जोड़ने का काम कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला थानाध्यक्ष ने की।

विद्यालय में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शासन के मंशानुरूप मिशन शक्ति ,जीवन कौशल, जेंडर स्टीरियोटाइप, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के अंतर्गत विकास क्षेत्र पसगवां के विभिन्न बेसिक विद्यालयों में महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय खीरी लक्ष्मी कांत पांडेय जिला समन्वयक बालिका शिक्षा खीरी रेनू श्रीवास्तव के कुशल दिशा निर्देशन में एवं खंड शिक्षा अधिकारी महोदय पसगवां श्गंगा प्रसाद गौतम के कुशल मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से घरेलू हिंसा बाल विवाह व्यक्तित्व विकास नशा उन्मूलन चमके बनकर सितारा बाल व्यक्तिगत सामुदायिक स्वच्छता महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबर पॉक्सो एक्ट जेजे एक्ट एफ आई आर जैसे महत्वपूर्ण टॉपिक पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उक्त कार्यक्रम कन्या पसगवा केजीबीवी पसगवां संविलियन विद्यालय सुनौवा संविलियन विद्यालय मोहिउद्दीनपुर संविलियन विद्यालय कोटरा संविलियन विद्यालय कलवारी संविलियन विद्यालय काशीपुर संविलियन विद्यालय मोहम्मदपुर ताजपुर संविलियन विद्यालय सुखबसा संविलियन विद्यालय इब्राहिमपुर उच्च प्रा वि चौबियापुर संविलियन विद्यालय बरबर संविलियन विद्यालय जमुनिया कढ़िले सहित विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संयोजन डीआरजी के सदस्य सत्येंद्र बहादुर सिंह के द्वारा किया जा रहा है।'

महिला पतंजलि योग समिति तीन दिवसीय योग शिविर सम्पन्न

महिला पतंजलि योग समिति दिल्ली एनसीआर की राज्य प्रभारी आदरणीया सविता दीदी जी तथा राज्य कार्यकारिणी शांता तनेजा जी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से जिला त्रिनगर द्वारा 3 दिन का योग शिविर 10–12 मार्च 2023 बहुत ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।दिल्ली एनसीआर की राज्य कार्यकारिणी शांता तनेजा जी ने शिविर के लिए अपनी शुभकामनाये देते हुए साधकों को योग के लिए प्रोत्साहित किया और प्रतिदिन चल रही निशुल्क कक्षाओं में भाग लेने के लिए संकल्पित कराया।सत्र में तीनों दिन आदरणीया डॉ सुनीता चौहान जी ने शिविर में सूक्ष्म क्रियाएं, योगिक जोगिंग, अनेक आसन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम के बारे में विस्तार पूर्वक बताया प्रथम दिन डॉ प्रतीक ने मधुमेह के विषय में रोग का कारण और निवारण पर विस्तृत जानकारी जानकारी दी। उन्होंने मधुमेह की एलोपैथिक दवाओं के साथ साथ योग और शारीरिक श्रम से इस बीमारी को नियंत्रित रखने के विषय में साधकों को अवगत कराया। साथ ही मधुमेह के साथ विटामिन डी की महत्ता से इसे कम किया जा सकता हैं।योग शिविर का द्वितीय दिवस 11.3. 2023 बहुत ही कर्मठ तथा ऊर्जावान आयुर्वेदिक आचार्य वैदिक विदुषी डॉ सुषमा आर्या जी ने अपना सत्र को बहुत ही रोचक बनाते हुए इतिहास के पन्नों से भूमिका बांधी औरंगजेब तथा पृथ्वी राज चौहान के किस्सों को याद किया। उन्होंने चौत्र और बैसाख मास में आने वाले त्यौहारों के विषय में भी चर्चा करते हुए शीतला माता के व्रत में प्रयोग होने वाली सामग्री पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस मौसम में प्रयोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों एवं काढे के विषय आयुर्वेद के अनुसार जानकारी दी।शिविर का अंतिम दिवस 12–3–23 में डॉ रेनू शारदा ,(स्त्री रोग विशेषज्ञ), ब्म्, शारदा नर्सिंग होम ने महिलाओं की विभिन्न बीमारियों पर प्रकाश डाला।पीसीओडी, रक्त का अधिक स्त्राव, ब्रेस्ट कैंसर, ओस्टियोपोरोसिस, जैसी महिलाओं की बीमारियों पर सभी साधकों का ज्ञान वर्धन किया और शुद्ध आहार, योगासन ,प्राणायाम अच्छे संस्कारों से परिवार को पोषित करने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया।अंत में डॉ सुनीता चौहान जी ने शांति पाठ कराते हुए शिविर का समापन कराया इस शिविर का लाभ सैकड़ो लोगों ने लिया।महिला पतंजलि योग समिति पूरे साल योग कक्षाए लगाकर लोगों को जागरूक कर रही। जिसमें योग,ध्यान और चिंतन शामिल हैं। जिला प्रभारी आदरणीया डॉ उर्मिला गुप्ता जी और बी एस टी मंत्री डॉ प्रतिभा नंद जी ने सभी का धन्यवाद किया। डॉक्टर उर्मिल गुप्ता,जिला प्रभारी ,त्रि नगर ने सभी जिला कार्यकारिणी बहनों और हमारे सभी प्रिय साधकों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ नागरिक मंडल द्वारा होली मिलन समारोह एवं कवि सम्मेलन संपन्न

ठाणे। महानगर मुंबई के समीप जिला ठाणे शहर के कल्याण पश्चिम में वरिष्ठ नागरिक मंडल कल्याण सभागृह रानी लक्ष्मीबाई उद्यान, सिंडिकेट चौराहा में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा होली मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह के साथ भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन शनिवार दिनांक 11 मार्च 2023 को किया गया। जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय मंत्री ऋषि कुमार मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार विजय पंडित एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में गीतकार रामस्वरूप साहू,भारतीय जन भाषा प्रचार समिति के अध्यक्ष रामप्यारे रघुवंशी, नवकुंभ साहित्य सेवा संस्थान के अध्यक्ष अनिल कुमार राही,मुंबई के साहित्यिक संस्थाओं के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी विनय शर्मा दीप,कवियत्री श्रीमती निलांबरी बापट मुख्य रूप से उपस्थित थी।मंच का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार,हास्य के कवि सत्यदेव विजय ने की।उपस्थित साहित्यकारों में मुंबई महानगर से अफसर दख्खिनी,संजय द्विवेदी,रामस्वरूप साहू, प्रकाश पाटिल,माधुरी वैद्य,स्वाति नातू, सुमित्रा गुप्ता,परमजीत सिंह,जगदीश उपाध्याय,मदन कुमार उपाध्याय,पांडे सुशील, श्याम बिहारी पाण्डेय,श्रीमती विजया शिंदे, कौशल्या पाटिल,महेंद्र मिश्रा,रमेश आह्वाड, आशा शिरुडे आदि उपस्थित थे।उपस्थित सभी साहित्यकारों का सम्मान संस्था के पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर किया।समारोह का अंत राष्ट्रीय गीत के साथ किया गया तथा संस्था ने सभी का आभार व्यक्त किया।

माफिया अतीक के हमदर्दों पर भी पुलिस का शिकंजा

बांदा। माफिया अतीक अहमद के हमदर्दों पर यहां भी पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। बीते दिनों शहर के दो लोगों के विरूद्ध कार्रवाई के बाद अब पुलिस के राडार मे जफर अहमद पर कार्रवाई की सुई घूम रही है। सूत्र बताते हैं कि उसके कई हमपेशा मित्र भी पुलिस के राडार पर हैं साथ ही उनके मोबाइल भी सर्विलांस पर हैं। इस बात की संभावना जताई जा रही है कि कभी भी बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई हो सकती है। इसमे जफर के कथित आवासीय एवं व्यावसायिक ठिकानों पर बुल्डोजर की गर्जना सुनाई दे सकती है। हालांकि जफर फिलहाल फरार है। पुलिस जफर के बीते 7, 8 वर्षों मे आय के स्रोतों को भी खंगाल रही है आखिर इतनी जल्दी आय मे इजाफा कैसे हो गया। पुलिस की इन्ही बिंदुओं पर शक की सुई घूम रही है। अंदरखाने आखिर कुछ तो है, इस शक को जफर ने अपनी सफाई एवं निर्दोश होने को लेकर वीडियो वायरल किया था जो उसके गले की फांस बन गया है। वीडियो मे वह कह रहा है कि जो मकान उसने प्रयागराज मे खरीदा उसे रजिस्ट्री कराने के दिन ही देखा और वह उसके अंदर भी नही गया। उल्लेखनीय है कि क्या कोई व्यक्ति के लिए इस तरह की खरीद फरोख्त संभव है कि खरीदे गये मकान को बगैर ठीक तरह से देखे कैसे ले सकता है। इतने बड़े माफिया की पत्नी को सहज रूप मे किराए मे देना फिर किराया भी उस मकान के सुन्दरीकरण मे किराएदार खर्च करेगा वह भी बिना किसी आपसी सुलह व लिखापढ़ी के कैसे संभव है। सूत्र बताते हैं कि माफिया अतीक के इशारे पर ही प्रयागराज मे जफर के नाम मकान खरीदा गया लेकिन यह मकान अप्रत्यक्ष रूप से अतीक की बेनाम संपत्ति के रूप मे देखा जा रहा है।

यूट्यूब फैन मीट में जुटे प्रदेश के कोने-कोने से विद्यार्थी, विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

देवरिया । परिश्रम एक ऐसा माध्यम है, जिससे किसी भी लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है । चुनौतियां मानव को कुछ निश्चित समय के लिए परेशान कर सकती हैं लेकिन पराजित नहीं कर सकती और इसको सत्य साबित कर दिखाया है रविकांत मणि त्रिपाठी ने । उक्त बातें पूर्व प्रधानाचार्य पण्डित शारदा मणि त्रिपाठी ने बतौर मुख्य अतिथि यूट्यूब फैन मीट कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही । उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब पूरा विश्व अपने–अपने घरों में कैद हो गया था तो सबसे बड़ी समस्या आई थी नौनिहालों के शिक्षण की । तब यूट्यूब प्लेटफार्म को आधार बनाकर अप्रैल 2020 में रविकांत ने हिंदी पढ़ाना प्रारंभ किया और देवरिया के लिए यह गौरव का क्षण है, जब इसी वर्ष 12 फरवरी को इन्होंने एक लाख पच्चीस हजार सब्सक्राइबर पूरे किए । इसके लिए यूट्यूब की तरफ से आपको सिल्वर प्ले बटन देकर सम्मानित भी किया गया । उन्होंने बताया कि रविकांत बचपन से ही मेधावी रहे उन्होंने सरस्वती विद्या मंदिर से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास कर बीटेक इंजीनियरिंग की तथा इसके बाद पुनः संस्कृत भाषा से एमए की डिग्री प्राप्त कर यूट्यूब प्लेटफार्म पर पढ़ाना शुरू किया । इनके प्रशंसकों में अनेक अभिभावक एवं शिक्षक भी शामिल हैं । बताते चलें कि, रविकांत मणि त्रिपाठी गत वर्ष 8 मई 2022 को महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल के द्वारा माननीय उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बृजेश पाठक की उपस्थिति में 37 बार रक्तदान के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य शाखा उत्तर प्रदेश के बैनर तले सम्मानित भी हो चुके हैं। इस फैन मीट के आयोजन में रविकांत मणि त्रिपाठी तथा राहुल कुमार शुक्ला जो कि अंग्रेजी पढ़ाते हैं, के द्वारा पढ़ाये पूरे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से छात्र व शिक्षक एवं अभिभावक शामिल हुए । संबोधन के क्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के उपसभापति अखिलेंद्र शाही ने बताया कि रविकांत मणि त्रिपाठी देवरिया जनपद के सभी सरकारी गैर सरकारी मंचों पर संचालक के रूप में देखे जाते रहे हैं, इसके पीछे इनकी मेहनत और प्रतिभा का योगदान है । संत कबीर नगर से आए छात्र दुर्गेश मौर्या ने विभिन्न बॉलीवुड कलाकारों एवं राजनेताओं की मिमिक्री आवाज निकाल कर रविकांत की प्रशंसा की । बहराइच से आए छात्र यशोदा नंदन ने कहा कि मैं नीट की तैयारी करता था एक भी अक्षर हिन्दी नहीं पढ़ा था लेकिन रविकांत सर की क्लास करके मात्र 15 दिन में 90 नंबर का हिंदी का पेपर किया हूं । माही यादव जो कि कानपुर से आई थी, उन्होंने भी रविकांत तथा राहुल सर को यू ट्यूब का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक बताते हुए कहा कि ईस्ट ओर वेस्ट रविकांत सर एन्ड राहुल सर इस द बेस्ट। भदोही से चलकर आए शिक्षक विनय कुमार मिश्र ने कहा कि रविकांत सर के भजन 'हमारे साथ श्री रघुनाथ तो किस बात की चिंता, शरण में रख दिया जब माथ तो किस बात की चिंता' मैं अपने बच्चों के बीच गुनगुनाया करता था और बच्चों ने बताया कि परीक्षा में इस भजन से अपना हौसला बनाए रखने में बड़ी मदद मिली । उत्तर प्रदेश में पहली बार इस तरह के आयोजित फैन मीट में लखनऊ, वाराणसी, गाजीपुर, गोंडा, बहराइच, मेरठ, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, प्रयागराज, कानपुर, संतकबीरनगर, गोरखपुर, बलिया, मऊ सहित लगभग उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से प्रतिभागी आए थे । राजा मणि त्रिपाठी ने बच्चों का परिचय देवरिया की भौगोलिक परिस्थिति से कराया जबकि देवरिया धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विवेक कमानी ने एलईडी पर प्रस्तुत करके देवरिया के समस्त पौराणिक एवं धर्म स्थल तथा पर्यटन स्थलों से बच्चों को परिचित कराया। युवा उपन्यासकार एवं कवि वरुण पाण्डेय ने लेखन शैली तथा साहित्य की रूपरेखा पर प्रकाश डाला । उन्होंने महंत अवैद्यनाथ के जीवन शैली पर आधारित स्वरचित महाकाव्य 'धर्म धाम एवं पुण्य' काम भी समर्पित किया । कार्यक्रम में देवरिया की स्वर कोकिला श्रीमती पूनम मणि त्रिपाठी ने भजन एवं लोकगीत प्रस्तुत किया जबकि संगीत साधक मोहन शर्मा एवं उनके शिष्यों के द्वारा शास्त्रीय गायन तथा राज डांस एकेडमी के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । कार्यक्रम को राजेंद्र जायसवाल जावेद अहमद, मदन शाही, मनीष आनंद मिश्र, डॉक्टर बालेश्वर पाण्डेय, आनंद श्रीवास्तव सोनू आदि ने भी संबोधित किया। संबोधन में रविकांत त्रिपाठी ने आए हुए सभी बच्चों, अभिभावक एवं शिक्षक बंधुओं का स्वागत करते हुए कहा कि देवरिया, बाबा देवराहा की पुण्य भूमि है, जो अत्यंत ऊर्जावान है । भारत को अगर विश्वगुरु बनाना है तो हिंदी और संस्कृत का संरक्षण अति आवश्यक है। अंग्रेजी के रुझान में बच्चे कहीं न कहीं नैतिकता से भी विमुख हो रहे हैं और आज के समय में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर संस्कार की बात करना बिल्कुल बेमानी सा हो गया है। मैं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी संस्कार युक्त तथा निशुल्क शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध हूँ। उन्होंने पग–पग पर समर्थन एवं आत्मविश्वास देने के लिए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा धन्यवाद ज्ञापित किया । रविकांत मणि के शिक्षक रहे राणा प्रताप सिंह ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापन का दायित्व निभाया जबकि संचालन शशिकांत मणि त्रिपाठी सीनियर फैकल्टी छप्म्स्प्ज गोरखपुर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका महत्वपूर्ण रही । इस अवसर पर मुख्य रूप से आनन्द स्वरूप दुबे, एड0 नागेंद्र राव, सजाक अली, तारकेश्वर विश्वकर्मा, शिवानन्द विश्वकर्मा, रामप्रताप पाण्डेय, संगीता सिंह, युवराज प्रताप सिंह, पार्थ सिंह, प्रदीप मौर्य, संजय कुमार यादव, रोहित राय, वीजेन्द्र राय लभली आदि लोग उपस्थित रहे ।

दुराचार कर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बांदा। नरैनी थाना क्षेत्र की विधवा महिला का बीते 4 वर्षों से यौन शोषण करने वाले आरोपी के विरूद्ध धर्म परिवर्तन अधिनियम और दुराचार की धाराओं मे रिपोर्ट दर्ज की गयी है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी दबाव बनाकर धर्म परिवर्तन कराकर निकाह करना चाहता था। थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी महिला ने बीते शुक्रवार को उप जिलाधिकारी और कोतवाली पुलिस को शिकयती पत्र देकर कहा था कि वह विधवा है, तथा साथ मे दो बच्चे हैं। वह पिता के घर मे रहकर जीवन यापन कर रही थी। इसी दरम्यान सलामतपुर (बड़ैछा) गांव निवासी वारिस खान पुत्र रज्जू जो वर्तमान मे करतल मे रह रहा है। बीते 4 वर्ष पूर्व उसे बहला–फुसलाकर मध्य प्रदेश के पन्ना शहर ले गया था। यहां लाकर आरोपी ने उसकी नशबन्दी करा दी ताकि उसे गर्भ न ठहर सके और लगातार उसका यौन शोषण करता रहा। अब पीड़िता का धर्म बदलवाकर जबरन निकाह करने का दबाव बना रहा है। पीड़िता ने बताया कि वारिस खान लड़कियों की खरीद–फरोख्त का धंधा करता है। कहना न मानने पर जान से मारने की धमकी देता है। पीड़िता ने दी गयी तहरीर मे आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी के विरूद्ध दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं मे मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्र ने कहा कि दोनो आपस मे पति–पत्नी की तरह रह रहे थे। किसी वजह से अनबन होने के कारण युवती ने शिकायती पत्र दिया है। मामले मे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

युवा समाजसेवी दीपक तिवारी द्वारा किया गया फगुआ सम्मेलन

मध्यप्रदेश सेमरिया विधानसभा के अन्तर्गत चंद्पुर में फगुआ में पहुंचे सेमरिया विधायक के पी त्रिपाठी सेमरिया विधायक द्वारा सभी कलाकारों, एवं समाजसेवी दीपक तिवारी को दी गई बधाई सम्मेलन फगुआ रंग गीतों एवं गुलालों का त्योहार होली जो सदियों से बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ पूरे देश में गलियों से लेकर महलों तक मनाया जाता है ऐसे त्योहारों को सामूहिक रूप से प्राथमिक पाठशाला चंद्रपुर के प्रांगण में क्षेत्रीय वृद्धजनों एवं सभी क्षेत्रवासी मौजूद रहे मिलन समारोह में फाग मंडली गायन वादन में सम्मिलित रही टीम गाँव गोदहा श्री गंगा प्रसाद तिवारी चंद्रपुर आदिवासी शौखीलाल कोल सुकवार श्री राघवेंद्र पाठक जी चंद्रपुर हरिजन त्रिवेणी साकेत कुम्हरा गोरे लाल द्विवेदी कुइयॉ सुरेंद्र द्विवेदी पटना शतानंद साहू रमपुरवा रामेश्वर साकेत करहिया काशी प्रसाद साकेत चचाई छत्रपाल सिंह पटना सोनू साहू मटीमा ए लखपति पटेल मटीमा बी लालमणि चौधरी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता धर्मेंद्र तिवारी बब्बू जिला पंचायत सभापति योगेंद्र सिंह सिद्धार्थ पाठक रामबाबू पांडे मयंक तिवारी चंद्रपुर मिश्रीलाल तिवारी उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सिरमौर राज बहोरन मिश्र वरिष्ठ समाजसेवी राघवेंद्र पाठक सुशील तिवारी चंद्रपुर प्रकाश नारायण पाठक हीरालाल पटेल रिटायर जिला शिक्षा अधिकारी राजबली शर्मा रिटायर आचार्य शेषमणि तिवारी , शंभू द्विवेदी सभी सभी क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

अयोध्या के तारुन क्षेत्र में दो महीने में ही उखड़ गई सड़क, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से की शिकायत

,अयोध्या, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या जनपद के तारुन ऐमीघाट मार्ग पर बालापुर चौराहे से होकर जाने वाला कूरीपुरुषोत्तमपुर लगभग 2 किमी संपर्क मार्ग के निर्माण में गुणवत्ता व मानकों की कमी के चलते कई जगहों पर गिट्टी उखड़ गई हैं। सरकारी ट्यूबेल के पास पुलिया लगा कर छोड़ दी गई। दोनों तरफ दीवार पैरापेट का निर्माण नहीं किया गया। सड़क भी धंस गई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी अयोध्या नीतीश कुमार से जांच करा सड़क ठीक करवाने की मांग की है।इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की आबादी का आना जाना होता है। अयोध्या के समाजसेवी पत्रकार रामजन्म यादव ,बालापुर निवासी सुरेश कुमार तिवारी का कहना है कि काफी इंतजार के बाद पूर्व विधायक द्वारा सड़क का निर्माण कराया जाना क्षेत्र के लोगों के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। फखरपुर निवासी अजीत यादव का कहना है कि सड़क निर्माण में मानकों की घोर अवहेलना की गई है। मोटरसाइकिल सवारों को चोटिल होने की ज्यादा आशंका बनी रहती है। जेई रमेश अग्रहरि ने बताया कि ठंडक के सीजन में जो सड़क बनती है उसका तारकोल जम जाने से रोलर ठीक से चल नहीं पाया होगा।

थाना कोरांव पुलिस द्वारा अपहरण के अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार, अपहृता सकुशल बरामद

कोरांव।प्रयागराज।पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा के निर्देशन में अपराध व अपराधियो के विरुद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त यमुनानगर संतोष कुमार मीणा के निर्देश व एसीपी मेजा विमल किशोर मिश्र के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोरांव धीरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में गठीत पुलिस द्वारा थाना कोरांव में पंजीकृत मु0अ0सं0 93ध2023 धारा 366 भा0द0सं0 में नामजद वांछित अभियुक्त मनोज कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम बघरा तिवारी थाना विन्ध्याचल जनपद मिर्जापुर को आज दिनांक 13ध 03ध2023 को एसबीआई बैक कोरांव थाना क्षेत्र कोरांव से गिरफ्तार कर अपहृता को सकुशल बरामद किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पता–

मनोज कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम बघरा तिवारी थाना विन्ध्याचल जनपद मिर्जापुर, उम्र 21 वर्ष

अभियोग का विवरण–

मु0अ0सं0 93ध2023 धारा 366 भा0द0सं0 थाना कोरांव, कमिश्नरेट प्रयागराज

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 ब्रजेश कुमार तिवारी, थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज

2. का0 ललित यादव, थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज

3. म0का0 वन्दना देवी, थाना कोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज।अरुण मित्र समाचार पत्र व दैनिक आशा प्रहरी से उमेश चन्द्र द्विवेदी व श्यामाकांत त्रिपाठी कोरांव से।

भाजपा ने किए काशी राजनगर सहित अन्य वार्डो में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

13 मार्च प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा शहर दक्षिणी विधानसभा के शक्ति केंद्रों में आयोजित भारत सरकार के द्वारा किए गए विकास कार्यों पर 82 पॉइंट्स पर आधारित राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू जी के अभिभाषण संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए कीडगंज नई बस्ती के शक्ति केंद्रों में भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का सर्वांगीण विकास हो रहा है उन्होंने कहा कि देश में 2014 के पहले 145 मेडिकल कॉलेज थे और आज 260 मेडिकल कॉलेज बन चुके और ग्रामीण अंचल में स्वच्छ जल उपलब्ध करावे को लेकर हर घर जल नल योजना के अंतर्गत तेजी से कार्य किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लिए सरकार ने सराहनीय कदम बढ़ाए और किसान सम्मान निधि से किसानों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया, उन्होंने कहा कि प्रयागराज का विकास आज चौतरफा दिखाई दे रहा है और हमारी डबल इंजन सरकार के द्वारा किए गए दिव्य और भव्य कुंभ का भव्य आयोजन पूरी दुनिया ने देखा और प्रयागराज का गौरव बढ़ा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने काशी राजनगर वार्ड के शक्ति केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू जी का अभिभाषण पढ़ते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरे भारत का विश्व में डंका बज रहा है जिसका जीता जागता प्रमाण है भारत का जी–20 देश की अध्यक्षता करना उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को निशुल्क राशन पहुंचाने का काम किया और कोरोना काल में हमारी सरकार ने महामारी से देश को बचाने के लिए देशवासियों को निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई और देश को नौजवानों को सैन्य शक्ति से जोड़ने को लेकर अग्निवीर योजना चलाकर इस देश को नौजवानों को सैन्य शक्ति से मजबूत करने का कार्य कर रही है

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि शहर दक्षिणी विधानसभा के 36 शक्ति केंद्रों में संगोष्ठी का आयोजन किया गया और मुट्ठीगंज काशी राजनगर के वार्ड में और अन्य 14 वार्ड में होली मिलन का कार्यक्रम किया गया

इस अवसर पर प्रमोद मोदी, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल,मनोज मिश्रा, किशन चंद्र जायसवाल,अजय अग्रहरि ,पार्षद किरन जायसवाल, मुकेश लारा, दिलीप केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, शारदा ओझा , पूर्व पार्षद नीरज गुप्ता, नीरज केसरवानी ,गोपाल जी पाठक ,सुनील जायसवाल, प्रतीक मालवीय, पवन केसरवानी, प्रभाकर मिश्रा, पद्माकर श्रीवास्तव ,विजय कृष्ण मेहता, राजेश शर्मा ,अनिल गुप्ता, प्रिंस रावत ,हरीश मिश्रा मुकेश जायसवाल ,कमलेश केसरवानी, रामनाथ दुबे, दिलीप केसरवानी, नरेंद्र जायसवाल, मीनू पांडे, किरन पूर्वी ,टीपी मिश्रा सिद्धार्थ पांडे,एवं शक्ति केंद्र के सैकड़ों कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे

पंचायत सहायक संगठन की बैठक में ब्लॉक महामंत्री वंदना पाल तथा राजेश यादव को संगठन मंत्री चुना गया

कौशाम्बी मंझनपुर ब्लॉक में पंचायत सहायक का गठन किया गया। इस दौरान सहायक गठन के ब्लॉक अध्यक्ष विकास यादव की मौजूदगी में वंदना पाल को मूरतगंज ब्लॉक का महामंत्री मनोनित किया गया तो वहीं राजेश यादव को संगठन मंत्री बनाया गया। आरती कुशवाहा को ब्लॉक सचिव संदीप कुमार को संघा संचालक मनीता को ब्लॉक सचिव पद पर मनोनयन पत्र देकर जिम्मेदारी दी गई। वंदना पाल ग्राम मोइनुद्दीन पुर गांव को एक जिम्मेदार पद देकर संगठन में मजबूती लाने के लिए कहा गया। प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार पंचायत सहायक संगठन की मजबूती और एकता बनाए रखने के लिए सभी को मनोनयन पत्र देकर पद की जिम्मेदारी दिया है। विकास ने सभी को नई जिम्मेदारी की शुभकामनाएं दिया। साथ ही सभी से अपने कर्तव्यों को निर्वहन करते हुए संगठन की मजबूत बनाने के लिए अपील किया। वहीं सभी लोगों ने पद भार लेने के बाद शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। साथ ही भरोसा दिया की वह सहायक संगठन को मजबूत बनाएंगे।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

थाना शंकरगढ़ पुलिस द्वारा शांति भंग के अंदेशे पर 08 व्यक्तियों का धारा 151 107 116 सीआरपीसी के तहत चालान

थाना शंकरगढ़ पुलिस टीम द्वारा 08 व्यक्तियों 1. अशोक कुमार पुत्र भोला सिंह नि0 कपसो अतरी थाना शंकरगढ़ प्रयागराज 2. लवकुश सिंह पुत्र संस्कीरत सिंह नि0 घोरहा थाना खीरी प्रयागराज 3. बिरजू कुचबधिया पुत्र शंकरलाल कुचबधिया नि0 वार्ड नं0 02 रावण टोला डूडा कालोनी कस्बा थाना शंकरगढ़ प्रयागराज 4. रहीम पुत्र बकरीदी नि0 वार्ड नं0 02 रावण टोला डूडा कालोनी कस्बा थाना शंकरगढ़ प्रयागराज 5. कमलाकर यादव पुत्र झुग्गी लाल यादव नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज 6. अमित यादव झुग्गी लाल यादव नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज 7. मुलायम यादव पुत्र सुखलाल यादव नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज 8. शिवांक यादव पुत्र छोटेलाल नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज को शांतिध्कानून व्यवस्था भंग की संभावना पर आज दिनांक 13.03.2023 को गिरफ्तार कर अन्तर्गत धारा 151ध107ध116 दं0प्र0सं0 में चालान किया गया । विवरण निम्नवत है———

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण–

1. अशोक कुमार पुत्र भोला सिंह नि0 कपसो अतरी थाना शंकरगढ़ प्रयागराज
2. लवकुश सिंह पुत्र संस्कीरत सिंह नि0 घोरहा थाना खीरी प्रयागराज
3. बिरजू कुचबधिया पुत्र शंकरलाल कुचबधिया नि0 वार्ड नं0 02 रावण टोला डूडा कालोनी कस्बा व थाना शंकरगढ़ प्रयागराज
4. रहीम पुत्र बकरीदी नि0 वार्ड नं0 02 रावण टोला डूडा कालोनी कस्बा व थाना शंकरगढ़ प्रयागराज
5. कमलाकर यादव पुत्र झुग्गी लाल यादव नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज
6. अमित यादव झुग्गी लाल यादव नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज
7. मुलायम यादव पुत्र सुखलाल यादव नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज
8. शिवांक यादव पुत्र छोटेलाल नि0 बेनीपुर शिवराजपुर थाना शंकरगढ़ प्रयागराज

पुलिस टीम का विवरण–

1. उ0नि0 गंगाराम सोनकर थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज
2. उ0नि0 ऋतुराज सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज
3. उ0नि0 अमरेन्द्र सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज
4. का0 दीप कुमार ,का0 प्रदीप यादव ,का0 रामबाबू थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज

भगवतपुर में 25 जोड़ों को अनुदान राशि का चेक तथा विवाह प्रमाणपत्र वितरित हुआ

प्रयागराज 13 मार्च,2023।उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री तथा शहर पश्चिमी विधायक श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भगवतपुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 25 जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा विपक्षी दलों की पिछली सरकारों में जहां बेटियां असुरक्षित महसूस करती थीं,वहीं योगी जी की सरकार उनको सुरक्षा के साथ–साथ सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित कर रही है। उन्होंने अपने विधानसभा के भगवतपुर ब्लॉक परिसर में 25 नव विवाहित जोड़ो को शुभकामनाएँ दीं।

पूर्व मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अपने हाथों से 25 जोड़ों को अनुदान राशि का चेक तथा विवाह प्रमाणपत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम भगवतपुर ब्लॉक परिसर में सम्पन्न हुआ।इसके पूर्व मंत्री ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रत्येक जोड़ों के जाकर कुशल क्षेम लिया।

श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा भाजपा सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश के हर गरीब,कमजोर कामगार व श्रमिक तथा महिला को सशक्त बनाएंगे प्रदेश सरकार हर परिवार के रोजगार की चिंता कर रही है। हमारा गरीब, हमारा किसान,महिला अपने बल पर आत्मनिर्भर हो, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उत्तर प्रदेश सरकार आज हर परिवार के आंकड़े जुटा रही है और ऐसे परिवार जिनके परिवार में कोई रोजगार या नौकरी नहीं है, ऐसे परिवार को सूचीबद्ध करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे हर परिवार को रोजगार उपलब्ध कराकर उनके जीवन को समृद्धिशाली की ओर ले चले।। हमारी भाजपा सरकार 24 घण्टे गरीबों व प्रदेश की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। प्रयागराज विधानसभा शहर पश्चिमी के अंदर बेटियों के मां बाप को हम आश्वस्त करना चाहते है कि सरकार आप के साथ है।अंत में सभी जोड़ों को आर्शीवाद देते हुए उनके खुशहाल जीवन की कामना किया।

कार्यक्रम के अंत में विकास खण्ड अधिकारी भगवतपुर ने सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम में आये हुए लोगों का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अति अल्पकालीन निविदा कोटेशन

ग्राम पंचायत बथुई विकास खण्ड मूरतगंज में अति अल्पकालीन निविदा सूचना मनरेगा योजना के अन्तर्गत कार्य 1– सीसी रोड से नत्थू सिंह अजीत व भोला के घर तक नाली एव इण्टरलाकिग कार्य जिसकी प्राक्कलित लागत 7-00 लाख में से सामग्री 5.91 **लाख** रू0, **2–** घनश्याम पाल के घर से परसन के घर पुलिया तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य में जिसकी प्राक्कलित लागत 7.20 लाख में से सामग्री 6.04 **लाख** रू0, **3–** जगजीवन लाल के घर से बांके लाल के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य में जिसकी प्राक्कलित लागत 4.00 लाख में से सामग्री 3.14 **लाख** रू0, **4–** रामभवन के घर से तालाब तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य में जिसकी प्राक्कलित लागत 10.50 लाख में से सामग्री 9.00 **लाख** रू0,, की सामग्री आपूर्ति हेतु डी0आर0डी0ए0 कौशाम्बी में मनरेगा वेबसाइड पर पंजीकृत इच्छुक निविदादाताओं से निविदा आमांत्रित की जाती है। निविदादाताओ फार्म के टिन नम्बर/जी0एस0टी0 नम्बर फीड करना होगा निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर दिनांक– 12.03.2023 से दिनांक 23.03.2023 तक निर्धारित शुल्क रुपये 100 ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर आवश्यक प्रपत्र के साथ जमा किया जा सकता है। निविदा दिनांक–24.03.2023 को ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रधान/सचिव की उपास्थिति मे निविदा फार्म खोले जायेगे निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत समिति के पास सुरक्षित होगा।

कार्य का नाम– 1– सीसी रोड से नत्थू सिंह अजीत व भोला के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग **2–** घनश्याम पाल के घर से परसन के घर पुलिया तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य **3–** जगजीवन लाल के घर से बांके लाल के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य **4–** रामभवन के घर से तालाब तक नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य।

क0 सं0	सामग्री का नाम	मात्रा	क0 सं0	सामग्री का नाम	मात्रा
1	ईंट गिट्टी	44.1000	1	ईंट गिट्टी	15.6940
2	पोर्टलैण्ड सीमेन्ट	7.3431	2	पोर्टलैण्ड सीमेन्ट	1.7734
3	महीन बालू	24.1763	3	महीन बालू	7.8470
4	ईंट प्रथम श्रेणी –150	12696.00	4	बालू (तृतीय)	1.5694
5	जमुना बालू	7.59	5	बोल्डर	10.9858
6	इण्टरलाकिंग ईंट	450.2500	6	मिक्चर	1.0986
7	लोकल बालू	29.2500	7	ईंट	25878.00
8	कंक्रीट मिक्चर	2.9137	8	15.9410	2.9137
क0 सं0	सामग्री का नाम	मात्रा	क0 सं0	सामग्री का नाम	मात्रा
1	ईंट गिट्टी	41.6250	1	ईंट गिट्टी	64.500
2	पोर्टलैण्ड सीमेन्ट	8.2912	2	पोर्टलैण्ड सीमेन्ट	12.3596
3	महीन बालू	23.8171	3	महीन बालू	39.5842
4	ईंट प्रथम श्रेणी –150	19665	4	ईंट प्रथम श्रेणी –150	22880.00
5	मोटी बालू	11.7563	5	मोटी बालू	13.6785
6	इण्टरलाकिंग ईंट	385.00	6	इण्टरलाकिंग ईंट	600.00
7	लोकल बालू	25.0250	7	लोकल बालू	39.000
8	कंक्रीट मिक्चर	2.9137	8	कंक्रीट मिक्चर	4.5150

नाम नवनीत भारतीया
ग्रा0प0अ0/ग्रा0वि0अ0
ग्राम पंचायत– बथुई

नाम–खेवन कुमार यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत– बथुई

कार्यालय ग्राम पंचायत– बथुई विकास खण्ड मूरतगंज, कौशाम्बी।

पंत्राक /मनरेगा/अतिअल्पकालीन निविदा/सामाग्री/2022–23 दिनांक

प्रतिलिपि– 1. समस्त इच्छुक निविदादाताओं/फार्म
2. कार्यालय ग्राम पंचायत बथुई के नोटिस बोर्ड पर चस्पा हेतु।
3. कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी मूरतगंज के नोटिस बोर्ड पर चस्पा हेतु।

ग्रा0प0अ0/ग्रा0वि0अ0
ग्राम पंचायत–बथुई

ग्राम प्रधान
बथुई

लोकरंग होली मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने फागुनी गीतों से बांधी समा

बेटवा बउराय,रार बाप से ठाने.....

करछना, प्रयागराज। लोक कलाकार और कवि हमारी लोक परंपरा और लोक संस्कृति के संवाहक हैं।होली जैसे रंग पर्व पर अपने अतीत के फागुनी गीतों को मंचों पर संजो रहे कलाकार समाज को आपसी सद्भाव, प्रेम, एकता का संदेश दे रहे हैं जो बहुत ही सराहनीय है। क्षेत्र के रामपुर स्थित लोकमंगल संस्थान में जमुनापार जागृति मिशन द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह लोकरंग में यह बातें संस्थान के निदेशक और जागृति मिशन के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने कही। इस दौरान मंच पर पहुंचे जमुनापार के लोक कलाकारों और कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब समां बांधी। कार्यक्रम के पूर्व वरिष्ठ लोक कलाकार श्यामलाल बेगाना,बचऊ लाल यादव और अवधी के कवि लालजी देहाती को संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया।आकाशवाणी के कलाकार दीपेश कुमार ने बेलवरिया गीत–बेटवा बौराय,रार बाप से ठाने,पर खूब तालियां बटोरी। मोहिनी श्रीवास्तव का गीत अउरी महिनवा में बरसे ना बरसे, फगुनवा में रंग रसे रसे बरसे की प्रस्तुति पर श्रोता झूम उठे। रामबाबू यादव के उलारा गीतऔर पंचम लाल यादव के फगुआ ने भी खूब वाहवाही लूटी। कुंवर सिंह, सत्यवान, पन्नालाल यादव, नेब्बू लाल,मोनू मस्ताना, बृजभान यादव, बबलू दीवाना और कृष्ण कुमार सत्यार्थी द्वारा प्रस्तुत धमार, बारहमासा, नारदी, चाचर,

डेढ़ताल और चौता जैसे गीतों ने लोकरंग को गुलजार कर दिया। रावेन्द्र शुक्ला के बनारसी उलारा गीत– न जाय देव तोहका, बिना रंग डारे,पर सभी झूम उठे। बृजेश तिवारी, दुखीराम गुप्ता, दीपू प्रजापति, कृष्ण कुमार सत्यार्थी और कौशल्या देवी के गीत भी खूब सराहे गए। कवियों की प्रस्तुतियों में, जितेंद्र जलज, मुवश्शिरर फूलपुरी, धनंजय साश्वत, संजय पांडे सरस,सबरेज अहमद, वीरेंद्र कुसुमाकर की कविताओं ने रंग पर्व पर सामाजिक समरसता के संदेश दिए। वरिष्ठ कवि रामलोचन सांवरिया कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन इंद्रजीत यादव और राजेंद्र शुक्ल ने किया। इस मौके पर प्रमुख करछना कमलेश द्विवेदी त्रिवेणी प्रसाद पांडेय, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश शुक्ला, विनोद प्रजापति, ग्यानेश्वर शुक्ल, रामभवन द्विवेदी, राजकुमार मिश्र, अलख नारायण शुक्ला, मनीष तिवारी,संजीव तिवारी, वेद श्रीवास्तव, योगेंद्र शुक्ला, मोहनजी पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार गजेन्द्र प्रताप सिंह, विजय पाल, कमला शंकर तिवारी, गोरेलाल, बृजेश द्विवेदी, बुद्धेश्वरानंद, रणजीत बाबू नंदन, रमाशंकर विश्वकर्मा, मानेन्दर शुक्ला समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मा0 कैबिनेट मंत्री जी ने २० जोड़ों को अपने कर-कमलों से विवाह प्रमाणपत्र के साथ आवश्यक सामाग्री प्रदान की

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत नगर निगम प्रयागराज द्वारा सोमवार को नार्दन रीजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी परिसर, तेलियरंगज में 300 व्यस्क जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मा0 कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मा0 सांसद इलाहाबाद प्रो0 डा0 रीता बहुगुणा जोशी की प्रतिनिधि श्रीमती ऊषा, मा0 विधायक करछना श्री पीयूष रंजन निषाद, गंगापार के भाजपा अध्यक्ष श्री अश्वनी दुबे, नगर आयुक्त श्री चन्द्रमोहन गर्ग, अपर नगर आयुक्त श्रीमती रत्नप्रिया, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री त्रिनेत्र सिंह, परियोजना अधिकारी डूडा श्रीमती वर्तिका सिंह, समस्त जोनल अधिकारी नगर निगम ने सभी वर–वधू को अपना आर्शीवाद प्रदान किया तथा उनको नए जीवन में प्रवेश की शुभकामना दी। मा0 कैबिनेट मंत्री जी ने 20 जोड़ों को अपने कर–कमलों से विवाह प्रमाणपत्र के साथ आवश्यक सामाग्री प्रदान किया। इसके पूर्व मा0 मंत्री जी ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए मा0 कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी ने कहा कि आज जो नव विवाहित जोड़े अपने नए जीवन की शुरूआत कर रहे है, उनको बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। मा0 मंत्री जी ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व उनकी प्रेरणा से तथा मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में आज प्रदेश सरकार इस संकल्प के साथ कार्य कर रही है कि प्रदेश की जिन गरीब बेटियों की शादी धनाभाव व दहेज के कारण नहीं हो पा रही थी, उनकी शादी धूमधाम से हो। दहेज का भार बेटी के पिता के कंधे पर नहीं आने दिया जायेगा। मा0 मंत्री जी ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सरकार का एक दृढ़संकल्प है। उन्होंने कहा कि आज जिन जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ है, मेरा उनसे आग्रह है कि सरकार द्वारा चलायी जा रही तमाम योजनाओं के साथ आप अपने आप को जोड़ कर उनका लाभ उठायें। मा0 मंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर गरीब, हर कमजोर, हर किसान के सपनों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्पित है और उन्हें पूरा करेंगे। इस अवसर पर मा0 सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी के द्वारा ऑडियों मैसेज के माध्यम से भेजे गये शुभकामना संदेश को सुनाया गया। मा0 मंत्री जी ने इस अवसर पर नवविवाहित प्रत्येक जोड़े को अपनी ओर से एक साड़ी उपहार स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर फिजिक्स वाला फाउण्डेशन की ओर से प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को एक मिक्सी मशीन, एक फैन व एक कम्बल उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त ने सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम में आये हुए लोगो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रभाकर त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पुतिन के सबसे बड़े आलोचक पर बनी फिल्म को मिला ऑस्कर

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े आलोचक एलेक्सी नवलिनी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को ऑस्कर 2023 का बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड मिला है। इस दौरान नवलिनी की पत्नी यूलिया नवलानया ने ऑस्कर के मंच से एक भावुक भाषण भी दिया। ये सुनकर समारोह में शामिल सभी लोग भावुक हो गए।

ऑस्कर मिलने के बाद नवलिनी की पत्नी यूलिया ने कहा कि उनके पति को सिर्फ इसलिए जेल में रखा गया है क्योंकि उन्होंने सच बोला था। उनके पति को लोकतंत्र बचाने की सजा मिल रही है। यूलिया ने अपने पति को मजबूत रहने के लिए कहा और उम्मीद जताई कि एक दिन वह जरूर बाहर आएंगे। नवलिनी को जहर देने के लिए पुतिन ने बनाई थी टीम 46 साल के नवलिनी दावा करते हैं कि उनके पास राष्ट्रपति पुतिन के भ्रष्टाचार और सारे काले कारनामों के सबूत हैं। पिछले दो साल से पुतिन ने उन्हें जेल में डाल रखा है। नवलिनी पेशे से वकील हैं और रूसी सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाते रहे हैं। नवलिनी रूस की विपक्ष सहयोग परिषद के सदस्य हैं और रशिया ऑफ द फ्यूचर पार्टी के नेता हैं। साल 2021 तक यू–ट्यूब पर उनके चौनल के छह मिलियन से ज्यादा सब्रस्क्राइबर्स थे। उन्हें रूस के अगले राष्ट्रपति के तौर पर देखा जाता है। साल 2018 में उन्होंने राष्ट्रपति का चुनाव भी लड़ा था। डॉक्यूमेंट्री में ये दावा किया गया है कि पुतिन ने रूस में नवलिनी के नाम तक को बैन कर दिया। यहां तक की उन्हें जहर देकर मारने के लिए एक टीम भी बनाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल अगस्त 2020 में तो नवलिनी को सर्बिया में सबसे खतरनाक जहर नोविचोक दिया गया था, जिससे वह कोमा में चले गए थे। इलाज के लिए उनकी टीम उन्हें जर्मनी लेकर गई। यहां से उन्हें रूस वापस भेज दिया गया था। 17 जनवरी 2021 को जैसे ही वह मॉस्को लौटे राष्ट्रपति पुतिन के आदेश पर उन्हें तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े आलोचक एलेक्सी नवलिनी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को ऑस्कर 2023 का बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड मिला है। इस दौरान नवलिनी की पत्नी यूलिया नवलानया ने ऑस्कर के मंच से एक भावुक भाषण भी दिया। ये सुनकर समारोह में शामिल सभी लोग भावुक हो गए।

ऑस्कर मिलने के बाद नवलिनी की पत्नी यूलिया ने कहा कि उनके पति को सिर्फ इसलिए जेल में रखा गया है क्योंकि उन्होंने सच बोला था। उनके पति को लोकतंत्र बचाने की सजा मिल रही है। यूलिया ने अपने पति को मजबूत रहने के लिए कहा और उम्मीद जताई कि एक दिन वह जरूर बाहर आएंगे। नवलिनी को जहर देने के लिए पुतिन ने बनाई थी टीम 46 साल के नवलिनी दावा करते हैं कि उनके पास राष्ट्रपति पुतिन के भ्रष्टाचार और सारे काले कारनामों के सबूत हैं। पिछले दो साल से पुतिन ने उन्हें जेल में डाल रखा है। नवलिनी पेशे से वकील हैं और रूसी सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाते रहे हैं। नवलिनी रूस की विपक्ष सहयोग परिषद के सदस्य हैं और रशिया ऑफ द फ्यूचर पार्टी के नेता हैं। साल 2021 तक यू–ट्यूब पर उनके चौनल के छह मिलियन से ज्यादा सब्रस्क्राइबर्स थे। उन्हें रूस के अगले राष्ट्रपति के तौर पर देखा जाता है। साल 2018 में उन्होंने राष्ट्रपति का चुनाव भी लड़ा था। डॉक्यूमेंट्री में ये दावा किया गया है कि पुतिन ने रूस में नवलिनी के नाम तक को बैन कर दिया। यहां तक की उन्हें जहर देकर मारने के लिए एक टीम भी बनाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साल अगस्त 2020 में तो नवलिनी को सर्बिया में सबसे खतरनाक जहर नोविचोक दिया गया था, जिससे वह कोमा में चले गए थे। इलाज के लिए उनकी टीम उन्हें जर्मनी लेकर गई। यहां से उन्हें रूस वापस भेज दिया गया था। 17 जनवरी 2021 को जैसे ही वह मॉस्को लौटे राष्ट्रपति पुतिन के आदेश पर उन्हें तुरंत ही गिरफ्तार कर लिया गया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे बड़े आलोचक एलेक्सी नवलिनी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को ऑस्कर 2023 का बेस्ट डॉक्यूमेंट्री का अवॉर्ड मिला है। इस दौरान नवलिनी की पत्नी यूलिया नवलानया ने ऑस्कर के मंच से एक भावुक भाषण भी दिया। ये सुनकर समारोह में शामिल सभी लोग भावुक हो गए।

अगले हफ्ते ही पुतिन से मिलने रूस जा सकते चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने मॉस्को जा सकते हैं। रूस–यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही चीन लगातार पुतिन के समर्थन में दिखा है। हालांकि, उसके राष्ट्रपति का यह दौरा अपने आप में काफी मायने रखता है। दरअसल, जहां यूक्रेन का साथ देने के लिए कई पश्चिमी देशों के राष्ट्राध्यक्ष कीव जा चुके हैं, वहीं रूस के राष्ट्रपति को अब तक किसी प्रमुख देश का साथ नहीं मिला है। अमेरिका से तनाव ने रूस और चीन को लाया और करीब विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका और चीन के रिश्तों में लगातार बढ़ते तनाव के बीच रूस और चीन के संबंध मजबूत होते गए। इसे लेकर अमेरिकी अधिकारियों के कान खड़े हो गए हैं। जर्मनी में हुए म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन वांग यी से मिले, तो उन्होंने चेतावनी दी थी कि चीन रूस को हथियार ना दे। हालांकि रूस को हथियार देने की बात का चीन लगातार खंडन करता रहा है, लेकिन हाल में इस बारे में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का शक गहरा गया है।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे
कार्य करने हेतु लोगो की
आवश्यकता है
संपर्क:- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

विश्व कप में 40-40 ओवर का मैच देखना चाहते हैं रवि शास्त्री कार्तिक ने भी वनडे को लेकर कही बड़ी बात

भारत में इस वनडे विश्व कप का आयोजन होना है। इस बड़े टूर्नामेंट में अब सात महीने से भी कम समय बाकी है। इसी बीच, भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि टूर्नामेंट का आयोजन 40–40 ओवरों के फॉर्मेट में होना चाहिए। शास्त्री का मानना है कि वनडे फॉर्मेट में अब लोग ज्यादा रुचि नहीं ले रहे हैं। ऐसे में इस फॉर्मेट को रोमांचक बनाने के लिए 10–10 ओवर घटाने चाहिए।भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ष्वनडे क्रिकेट के बने रहने के लिए मुझे लगता है कि इसे भविष्य में 40 ओवर के खेल तक सीमित कर देना चाहिए।ष् शास्त्री ने कहा कि दर्शकों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला करना चाहिए। शास्त्री ने इस बात का उदाहरण दिया कि जब कपिल देव के नेतृत्व में भारत ने 1983 में वनडे विश्व कप जीता था तो यह 60 ओवर का टूर्नामेंट था, जिसे घटाकर बाद में 50 ओवर का कर दिया गया।रवि शास्त्री ने कहा– समय के साथ विकास होरवि शास्त्री ने आगे कहा, ष्मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि जब हमने 1983 में विश्व कप जीता था तो यह 60–60 ओवर का खेल था। फिर लोगों का ध्यान कम हो गया और यह 50–50 ओवर का खेल बन गया। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि इसे 40–40 ओवर का बना दिया जाए। समय के साथ विकास हो।द्विपक्षीय सीरीज में हो कमीरू शास्त्री शास्त्री द्विपक्षीय सीरीज की संख्या कम करने के भी पक्षधर हैं। उन्होंने कहा, ष्मुझे लगता है कि टी20 फॉर्मेट महत्वपूर्ण है। यह वह इंजेक्शन है जिसे खेल को विकसित करने की आवश्यकता है। मुझे लगता है कि इसे फॉर्मेट में भी द्विपक्षीय सीरीज को कम किया जाना चाहिए। दुनिया भर में पर्याप्त घरेलू लीग हैं जो टी20 खेल को बढ़ावा दे रहे हैं। हमें उन लीगों को होने देना चाहिए और फिर बीच में ही विश्व कप होना चाहिए। विश्व कप या उस तरह की किसी चीज से पहले बहुत कम द्विपक्षीय मैच की जरूरत है। तब आप तीनों प्रारूपों को बरकरार रख सकते हैं।खत्म हो जाएगा वनडे विश्व कप?भारत के क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने भी कहा कि एकदिवसीय प्रारूप अपना आकर्षण खो रहा है और इस साल अक्टूबर–नवंबर में भारत में होने वाला विश्व कप आखिरी संस्करण हो सकता है। कार्तिक ने कहा, ष्वनडे प्रारूप ने अपना आकर्षण खो दिया है। हम इस साल के अंत में या उसके बाद एक और विश्व कप देख सकते हैं। लोग टेस्ट क्रिकेट देखना चाहते हैं, जो क्रिकेट का सबसे अच्छा प्रारूप है और मनोरंजन के लिए टी20 है।भारत में इस वनडे विश्व कप का आयोजन होना है। इस बड़े टूर्नामेंट में अब सात महीने से भी कम समय बाकी है। इसी बीच, भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि टूर्नामेंट का आयोजन 40–40 ओवरों के फॉर्मेट में होना चाहिए। शास्त्री का मानना है कि वनडे फॉर्मेट में अब लोग ज्यादा रुचि नहीं ले रहे हैं। ऐसे में इस फॉर्मेट को रोमांचक बनाने के लिए 10–10 ओवर घटाने चाहिए।भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ष्वनडे क्रिकेट के बने रहने के लिए मुझे लगता है कि इसे भविष्य में 40 ओवर के खेल तक सीमित कर देना चाहिए।ष् शास्त्री ने कहा कि दर्शकों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला करना चाहिए। शास्त्री ने इस बात का उदाहरण दिया कि जब कपिल देव के नेतृत्व में भारत ने 1983 में वनडे विश्व कप जीता था तो यह 60 ओवर का टूर्नामेंट था, जिसे घटाकर बाद में 50 ओवर का कर दिया गया।रवि शास्त्री ने कहा– समय के साथ विकास होरवि शास्त्री ने आगे कहा, ष्मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि जब हमने 1983 में विश्व कप जीता था तो यह 60–60 ओवर का खेल था। फिर लोगों का ध्यान कम हो गया और यह 50–50 ओवर का खेल बन गया। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि इसे 40–40 ओवर का बना दिया जाए। समय के साथ विकास हो।द्विपक्षीय सीरीज में हो कमीरू शास्त्री शास्त्री द्विपक्षीय सीरीज की संख्या कम करने के भी पक्षधर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पस्त हुआ विश्व चौंपियन इंग्लैंड, पहली टी20 सीरीज में मिली हार

मैन ऑफ द मैच मेहदी हसन मिराज के ऑलराउंड प्रदर्शन और नजमुल हुसैन शांतो की उपयोगी पारी की मदद से बांग्लादेश ने रविवार को इंग्लैंड को दूसरे टी–20 मैच में चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने 2–0 से अजेय बढ़त बनाते हुए तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ बांग्लादेश पहली बार टी–20 सीरीज खेल रहा है और उसने यह जीत ली।मेहदी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवर में 117 रन पर समेट दिया। मेहमान टीम के लिए बेन डकेट ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। उन्होंने 28 गेंदों की पारी में दो चौके लगाए। उनके अलावा फिल सॉल्ट ने 25 रन का योगदान दिया। मेहदी हसन ने 12 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया और 20 रन बनाए।जवाब में बांग्लादेश ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 120 रन बनाकर यह मैच सात गेंद शेष रहते जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा कर रही मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने तीन विकेट 56 रन पर गंवा दिए थे। नजमुल और मेहदी हसन ने चौथे विकेट के लिए 41 रन की उपयोगी साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। नजमुल ने नाबाद 46 रन बनाए।मैन ऑफ द मैच मेहदी हसन मिराज के ऑलराउंड प्रदर्शन और नजमुल हुसैन शांतो की उपयोगी पारी की मदद से बांग्लादेश ने रविवार को इंग्लैंड को दूसरे टी–20 मैच में चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने 2–0 से अजेय बढ़त बनाते हुए तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ बांग्लादेश पहली बार टी–20 सीरीज खेल रहा है और उसने यह जीत ली।मेहदी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवर में 117 रन पर समेट दिया। मेहमान टीम के लिए बेन डकेट ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। उन्होंने 28 गेंदों की पारी में दो चौके लगाए। उनके अलावा फिल सॉल्ट ने 25 रन का योगदान दिया। मेहदी हसन ने 12 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया और 20 रन बनाए।जवाब में बांग्लादेश ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 120 रन बनाकर यह मैच सात गेंद शेष रहते जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा कर रही मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने तीन विकेट 56 रन पर गंवा दिए थे। नजमुल और मेहदी हसन ने चौथे विकेट के लिए 41 रन की उपयोगी साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। नजमुल ने नाबाद 46 रन बनाए।मैन ऑफ द मैच मेहदी हसन मिराज के ऑलराउंड प्रदर्शन और नजमुल हुसैन शांतो की उपयोगी पारी की मदद से बांग्लादेश ने रविवार को इंग्लैंड को दूसरे टी–20 मैच में चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने 2–0 से अजेय बढ़त बनाते हुए तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ बांग्लादेश पहली बार टी–20 सीरीज खेल रहा है और उसने यह जीत ली।मेहदी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवर में 117 रन पर समेट दिया। मेहमान टीम के लिए बेन डकेट ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। उन्होंने 28 गेंदों की पारी में दो चौके लगाए। उनके अलावा फिल सॉल्ट ने 25 रन का योगदान दिया। मेहदी हसन ने 12 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया और 20 रन बनाए।जवाब में बांग्लादेश ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 120 रन बनाकर यह मैच सात गेंद शेष रहते जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा कर रही मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने तीन विकेट 56 रन पर गंवा दिए थे। नजमुल और मेहदी हसन ने चौथे विकेट के लिए 41 रन की उपयोगी साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। नजमुल ने नाबाद 46 रन बनाए।मैन ऑफ द मैच मेहदी हसन मिराज के ऑलराउंड प्रदर्शन और नजमुल हुसैन शांतो की उपयोगी पारी की मदद से बांग्लादेश ने रविवार को इंग्लैंड को दूसरे टी–20 मैच में चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने 2–0 से अजेय बढ़त बनाते हुए तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ बांग्लादेश पहली बार टी–20 सीरीज खेल रहा है और उसने यह जीत ली।मेहदी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवर में 117 रन पर समेट दिया। मेहमान टीम के लिए बेन डकेट ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। उन्होंने 28 गेंदों की पारी में दो चौके लगाए। उनके अलावा फिल सॉल्ट ने 25 रन का योगदान दिया। मेहदी हसन ने 12 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया और 20 रन बनाए।जवाब में बांग्लादेश ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 120 रन बनाकर यह मैच सात गेंद शेष रहते जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा कर रही मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने तीन विकेट 56 रन पर गंवा दिए थे। नजमुल और मेहदी हसन ने चौथे विकेट के लिए 41 रन की उपयोगी साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। नजमुल ने नाबाद 46 रन बनाए।मैन ऑफ द मैच मेहदी हसन मिराज के ऑलराउंड प्रदर्शन और नजमुल हुसैन शांतो की उपयोगी पारी की मदद से बांग्लादेश ने रविवार को इंग्लैंड को दूसरे टी–20 मैच में चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ बांग्लादेश ने 2–0 से अजेय बढ़त बनाते हुए तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ बांग्लादेश पहली बार टी–20 सीरीज खेल रहा है और उसने यह जीत ली।मेहदी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड को 20 ओवर में 117 रन पर समेट दिया। मेहमान टीम के लिए बेन डकेट ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। उन्होंने 28 गेंदों की पारी में दो चौके लगाए। उनके अलावा फिल सॉल्ट ने 25 रन का योगदान दिया। मेहदी हसन ने 12 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए। उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया और 20 रन बनाए।जवाब में बांग्लादेश ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 120 रन बनाकर यह मैच सात गेंद शेष रहते जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा कर रही मेजबान टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने तीन विकेट 56 रन पर गंवा दिए थे। नजमुल और मेहदी हसन ने चौथे विकेट के लिए 41 रन की उपयोगी साझेदारी करके टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। नजमुल ने नाबाद 46 रन बनाए।

चौथे टेस्ट के बाद विराट कोहली ने जीता दिल, दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को याद के तौर पर दी अपनी जर्सी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। यह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों की सहमति से अंपायर ने मैच को ड्रॉ पर खत्म करने का एलान किया। मैच के बाद विराट कोहली का एक वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हो रहा है।दरअसल, मैच के बाद कोहली ने दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को याद और सम्मान के तौर पर अपनी जर्सी गिफ्ट की। इसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। बीसीसीआई ने भी इस वीडियो के कैप्शन में लिखा– किंग कोहली आखिरी टेस्ट के बाद याद के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गिफ्ट देते हुए। इस तरह के जेस्चर दिल जीत लेते हैं। कोहली ने अहमदाबाद टेस्ट में शतक लगाने वाले उस्मान ख्वाजा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को जर्सी गिफ्ट की।कोहली इससे पहले भी कई बार विपक्षी टीमों के खिलाड़ियों को याद के तौर पर कई बार गिफ्ट दे चुके हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद उन्होंने हारिस रऊफ को भी जर्सी गिफ्ट की थी। चौथे टेस्ट में क्या हुआ?चौथे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 480 रन बनाए थे। उस्मान ख्वाजा ने 180 रन और कैमरन ग्रीन ने 114 रन बनाए। अश्विन ने छह विकेट झटके थे। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 571 रन बनाए और 91 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 175 रन बनाए और मैच ड्रॉ कराने का फैसला लिया। भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट पारी और 132 रन और दिल्ली में दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीता था। इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी।न्यूजीलैंड के श्रीलंका को हराने के बाद भारत पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुका था। ऐसे में यह टेस्ट औपचारिकता मात्र था। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जून में ओवल में वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। यह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों की सहमति से अंपायर ने मैच को ड्रॉ पर खत्म करने का एलान किया। मैच के बाद विराट कोहली का एक वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हो रहा है।दरअसल, मैच के बाद कोहली ने दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को याद और सम्मान के तौर पर अपनी जर्सी गिफ्ट की। इसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। बीसीसीआई ने भी इस वीडियो के कैप्शन में लिखा– किंग कोहली आखिरी टेस्ट के बाद याद के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गिफ्ट देते हुए। इस तरह के जेस्चर दिल जीत लेते हैं। कोहली ने अहमदाबाद टेस्ट में शतक लगाने वाले उस्मान ख्वाजा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को जर्सी गिफ्ट की।कोहली इससे पहले भी कई बार विपक्षी टीमों के खिलाड़ियों को याद के तौर पर कई बार गिफ्ट दे चुके हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद उन्होंने हारिस रऊफ को भी जर्सी गिफ्ट की थी। चौथे टेस्ट में क्या हुआ?चौथे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 480 रन बनाए थे। उस्मान ख्वाजा ने 180 रन और कैमरन ग्रीन ने 114 रन बनाए। अश्विन ने छह विकेट झटके थे। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 571 रन बनाए और 91 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 175 रन बनाए और मैच ड्रॉ कराने का फैसला लिया। भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट पारी और 132 रन और दिल्ली में दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीता था। इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी।न्यूजीलैंड के श्रीलंका को हराने के बाद भारत पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुका था। ऐसे में यह टेस्ट औपचारिकता मात्र था। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जून में ओवल में वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। यह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों की सहमति से अंपायर ने मैच को ड्रॉ पर खत्म करने का एलान किया। मैच के बाद विराट कोहली का एक वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हो रहा है।दरअसल, मैच के बाद कोहली ने दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को याद और सम्मान के तौर पर अपनी जर्सी गिफ्ट की। इसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। बीसीसीआई ने भी इस वीडियो के कैप्शन में लिखा– किंग कोहली आखिरी टेस्ट के बाद याद के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गिफ्ट देते हुए। इस तरह के जेस्चर दिल जीत लेते हैं। कोहली ने अहमदाबाद टेस्ट में शतक लगाने वाले उस्मान ख्वाजा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को जर्सी गिफ्ट की।कोहली इससे पहले भी कई बार विपक्षी टीमों के खिलाड़ियों को याद के तौर पर कई बार गिफ्ट दे चुके हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद उन्होंने हारिस रऊफ को भी जर्सी गिफ्ट की थी। चौथे टेस्ट में क्या हुआ?चौथे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 480 रन बनाए थे। उस्मान ख्वाजा ने 180 रन और कैमरन ग्रीन ने 114 रन बनाए। अश्विन ने छह विकेट झटके थे। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 571 रन बनाए और 91 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 175 रन बनाए और मैच ड्रॉ कराने का फैसला लिया। भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट पारी और 132 रन और दिल्ली में दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीता था। इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी।न्यूजीलैंड के श्रीलंका को हराने के बाद भारत पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुका था। ऐसे में यह टेस्ट औपचारिकता मात्र था। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जून में ओवल में वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। यह मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों की सहमति से अंपायर ने मैच को ड्रॉ पर खत्म करने का एलान किया। मैच के बाद विराट कोहली का एक वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हो रहा है।दरअसल, मैच के बाद कोहली ने दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को याद और सम्मान के तौर पर अपनी जर्सी गिफ्ट की। इसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। बीसीसीआई ने भी इस वीडियो के कैप्शन में लिखा– किंग कोहली आखिरी टेस्ट के बाद याद के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गिफ्ट देते हुए। इस तरह के जेस्चर दिल जीत लेते हैं। कोहली ने अहमदाबाद टेस्ट में शतक लगाने वाले उस्मान ख्वाजा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को जर्सी गिफ्ट की।कोहली इससे पहले भी कई बार विपक्षी टीमों के खिलाड़ियों को याद के तौर पर कई बार गिफ्ट दे चुके हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद उन्होंने हारिस रऊफ को भी जर्सी गिफ्ट की थी। चौथे टेस्ट में क्या हुआ?चौथे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 480 रन बनाए थे। उस्मान ख्वाजा ने 180 रन और कैमरन ग्रीन ने 114 रन बनाए। अश्विन ने छह विकेट झटके थे। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 571 रन बनाए और 91 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 175 रन बनाए और मैच ड्रॉ कराने का फैसला लिया। भारत ने नागपुर में पहला टेस्ट पारी और 132 रन और दिल्ली में दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीता था। इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीत हासिल की थी।न्यूजीलैंड के श्रीलंका को हराने के बाद भारत पहले ही वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुका था। ऐसे में यह टेस्ट औपचारिकता मात्र था। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जून में ओवल में वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभाष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजीकृत ए/बी 123/21. 23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इस से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा